



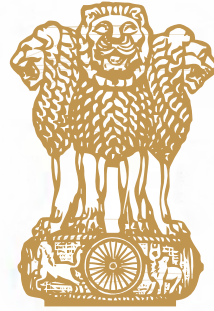
सत्यमेव जयते

संवाद से विश्वास

राज्यपाल के रूप में दो वर्ष



लोक भवन, झारखण्ड



सत्यमेव जयते

संवाद से विश्वास

राज्यपाल के रूप में दो वर्ष

लोक भवन, झारखण्ड

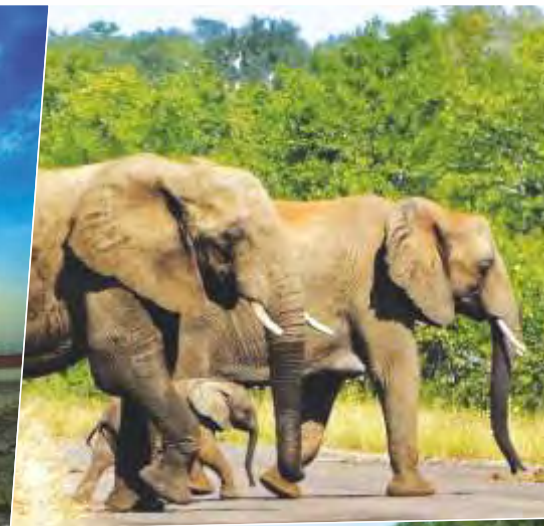


झारखण्ड





झारखण्ड



प्रकृति की गोद में असीम संभावनाएँ

घने जंगल, ऊँचे पहाड़, झरने, नदियों और खान-पान-संस्कृति की समृद्ध विरासत से भरा झारखण्ड पर्यटन के अनुभवों का अनोखा संगम है। प्रकृति, वन्यजीवन और जनजातीय संस्कृति का अद्वितीय मेल इस धरती को देश के सबसे आकर्षक पर्यटन स्थलों में विशिष्ट पहचान प्रदान करता है।



झारखण्ड



आस्था एवं विरासत का अनुपम संगम

प्राचीन मंदिरों, पावन तीर्थ स्थलों, आध्यात्मिक परंपराओं और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से आलोकित झारखण्ड श्रद्धा, इतिहास और प्रकृति का अद्वितीय संगम है। यहाँ की जीवंत लोक-परंपराएँ, विविध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ और आध्यात्मिक चेतना प्रत्येक आगंतुक को शांति, आस्था और आत्मिक ऊर्जा से अनुप्राणित कर अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करती हैं।



लोक भवन, झारखण्ड : एक दृष्टि में

- वर्ष 1930 में निर्माण कार्य प्रारम्भ तथा मार्च, 1931 में लगभग 7.6 लाख रुपये की अनुमानित लागत से निर्माण पूर्ण।
- लगभग 60 एकड़ में विस्तृत परिसर, जिसमें 10 एकड़ क्षेत्र में ऐतिहासिक ऑड्रे हाउस स्थित।
- विभिन्न आकर्षक उद्यानों, हरित प्रांगणों एवं फव्वारों से सुसज्जित परिसर।
- परिसर में स्थित मूर्ति उद्यान में युगपुरुष स्वामी विवेकानन्द जी एवं झारखण्ड के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाएँ स्थापित।
- लगभग 200 प्रजातियों के वृक्षों एवं पौधों से समृद्ध परिसर जैव-विविधता का उत्कृष्ट उदाहरण।

- परिसर में कल्पवृक्ष, रुद्राक्ष, सिंदूर, सीता अशोक, पीला बाँस एवं पेड़ कद्दू जैसे दुर्लभ वृक्ष-पौधे विद्यमान।
- परिसर में स्थित विभिन्न उद्यानों में गुलाब की 100 से अधिक प्रजातियाँ अपनी अद्भुत सुंदरता और विविधता के लिए विख्यात।
- अनेक दुर्लभ औषधीय पौधों की प्रजातियों से सुसज्जित महात्मा गांधी औषधि उद्यान।
- परिसर में स्थापित भारतीय सेना का 'T-55 टैंक' तथा 'मिग-21 लड़ाकू विमान' आकर्षण के प्रमुख केन्द्र।
- बिरसा मंडप में शपथ ग्रहण समारोहों सहित विभिन्न राजकीय, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन।





संरक्षक

श्री संतोष कुमार गंगवार

माननीय राज्यपाल, झारखण्ड
<https://lokbhavanjharkhand.nic.in>
e-mail : jhrgov@jhr.nic.in
✉@jhar_governor



प्रधान संपादक

डॉ. नितिन मदन कुलकर्णी, भा. प्र.से.

राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव



प्रकाशक

लोक भवन, झारखण्ड



मुद्रण

सेतु प्रिन्टर्स

(सिक्कूरिटी प्रिंटिंग प्रेस)

राँची, झारखण्ड

Website : www.setuprinters.com

अनुक्रम

1.	माननीया राष्ट्रपति महोदया का झारखण्ड प्रवास	14-29
2.	माननीय उपराष्ट्रपति महोदय का झारखण्ड प्रवास	30-35
3.	माननीय प्रधानमंत्री जी का झारखण्ड प्रवास	36-41
4.	शपथ ग्रहण समारोह	42-51
5.	लोक भवन में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' अन्तर्गत राज्य स्थापना दिवस समारोह	52-63
6.	युवाओं के साथ संवाद	64-75
7.	राज्य के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण	76-97
8.	दीक्षांत समारोह में सक्रिय सहभागिता	98-120
9.	उच्च शिक्षा में सुधार हेतु प्रतिबद्धता तथा उच्च शिक्षण संस्थान के कार्यक्रमों में सहभागिता	121-131
10.	स्कूली बच्चों को प्रोत्साहन	132-149
11.	राष्ट्रीय पर्व तथा महत्वपूर्ण दिवस एवं समारोह	150-171
12.	विविध	172-199
13.	भेंट-वार्ता	200-213





संवाद से विश्वास

राज्यपाल के रूप में दो वर्ष

जोहार!

प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध एवं वीरों की भूमि झारखण्ड के राज्यपाल के रूप में दायित्व ग्रहण करना मेरे लिए केवल एक संवैधानिक उत्तरदायित्व नहीं, बल्कि जनसेवा का एक महत्वपूर्ण अवसर रहा है। राज्यपाल के रूप में विगत दो वर्षों की मेरी यह यात्रा सेवा, समर्पण और सतत साधना का प्रतीक रही है, जिसमें राज्य के सर्वांगीण विकास और जनमानस की आकांक्षाओं को केंद्र में रखकर निरंतर कार्य करने का प्रयास किया गया है। इससे पूर्व, मुझे बरेली (उत्तर प्रदेश) की जनता के स्नेह एवं विश्वास से लोकसभा में आठ बार प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त हुआ। साथ ही, देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी तथा वर्तमान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार में मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में कार्य करने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ।

मैं यह मानता हूँ कि किसी भी राज्य की प्रगति का वास्तविक आधार उसके नागरिकों की भागीदारी, विश्वास और सशक्तिकरण में निहित होता है। इसी दृष्टिकोण के साथ लोक भवन को जनसामान्य के लिए अधिक सुलभ, संवादपरक एवं सहभागी बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए गए। लोक भवन की कार्यप्रणाली के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया कि यह परिसर केवल प्रशासनिक गतिविधियों तक सीमित न रहकर जनता की आशाओं, अपेक्षाओं और संवाद का सजीव केंद्र बने।

मुझे यह उल्लेख करते हुए प्रसन्नता है कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत लोक भवन, राँची में विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाए जाते हैं। इस अवसर पर संबंधित राज्यों के नागरिकों को लोक भवन में आमंत्रित कर सम्मानित किया जाता है तथा उन्हें अपनी जन्मभूमि के साथ-साथ कर्मभूमि के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस पहल के माध्यम से राज्यों की सांस्कृतिक विविधता, परंपराओं एवं गौरवपूर्ण विरासत को साझा करने का अवसर प्राप्त होता है, जिससे राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की भावना और अधिक सुदृढ़ होती है।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार को प्राथमिकता देते हुए विश्वविद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए गए। अकादमिक कैलेंडर के पालन, समय पर परीक्षाओं का आयोजन एवं परिणामों का प्रकाशन, शोध की गुणवत्ता में सुधार तथा प्रशासनिक

कार्यकुशलता को सुदृढ़ करने हेतु निरंतर मार्गदर्शन दिया गया। सर्व कमिटी के माध्यम से कुलपतियों की पारदर्शी नियुक्ति, नियमित समीक्षा बैठकों तथा संवाद के माध्यम से विश्वविद्यालयों को अधिक उत्तरदायी एवं सशक्त बनाने का प्रयास किया गया है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में भी ठोस पहल की गई है, जिससे शिक्षा प्रणाली को अधिक समावेशी, नवाचारपरक एवं भविष्य उन्मुख बनाया जा सके।

राज्य के प्रायः सभी जिलों के सुदूरवर्ती क्षेत्रों का भ्रमण कर विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं अस्पतालों का अवलोकन किया गया तथा स्थानीय नागरिकों से विभिन्न विकास योजनाओं के संदर्भ में संवाद स्थापित किया गया। साथ ही, उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया गया। मेरा सतत प्रयास रहा है कि प्रत्येक कल्याणकारी योजना का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक निश्चित रूप से पहुँचे। शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों में समुचित प्रगति के लिए निरंतर संवाद एवं निरीक्षण किया जाता है।

झारखण्ड प्राकृतिक संसाधनों, सांस्कृतिक विरासत एवं मानवीय क्षमता से समृद्ध राज्य है। पर्यटन, उद्योग एवं शिक्षा के क्षेत्रों में यहाँ अपार संभावनाएँ विद्यमान हैं। हमारा संकल्प है कि इन संभावनाओं को साकार करते हुए झारखण्ड को विकास के पथ पर अग्रणी बनाया जाए। राज्य को एक सशक्त एजुकेशन हब एवं टूरिज्म हब के रूप में विकसित करने की दिशा में सतत प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि युवाओं को बेहतर अवसर प्राप्त हों और राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति मिले।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में झारखण्ड भी प्रगति की नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर हो, यह हमारा पूर्ण प्रयास है। हमारा उद्देश्य है कि राज्य का विकास समावेशी हो, जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित हो। मेरा दृढ़ विश्वास है कि संकल्प, समन्वय और सामूहिक प्रयास के माध्यम से झारखण्ड को एक विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध राज्य के रूप में स्थापित किया जा सकता है।

इस प्रकाशन में प्रस्तुत चित्रों एवं गतिविधियों के माध्यम से विगत दो वर्षों के प्रयासों, पहलों एवं उपलब्धियों की एक झलक प्रस्तुत की गई है। मुझे विश्वास है कि यह संकलन न केवल लोक भवन, झारखण्ड की कार्यशैली को प्रतिबिंबित करेगा, बल्कि झारखण्ड के विकास की दिशा में हमारे सतत प्रयासों को भी प्रस्तुत करेगा।

अंत में, मैं राज्य के सभी नागरिकों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिनका सहयोग और विश्वास मुझे राज्य की प्रगति हेतु निरंतर ऊर्जान्वित करते हैं। आइए, हम सब मिलकर झारखण्ड को विकास, ज्ञान और समृद्धि की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का संकल्प लें।

(संतोष कुमार गंगवार)

राज्यपाल, झारखण्ड



प्रधान सम्पादक की कलम से...

संवाद से समाधान तक
(जनसेवा के प्रति समर्पित माननीय राज्यपाल)

माननीय राज्यपाल महोदय श्री संतोष कुमार गंगवार के कार्यकाल के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रकाशित इस कॉफी टेबल बुक को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है। यह संकलन विगत दो वर्षों के दौरान लोक भवन, झारखण्ड की विविध गतिविधियों, महत्वपूर्ण पहलों एवं जनसरोकारों से जुड़े प्रयासों का एक समग्र एवं सजीव दस्तावेज है।

माननीय राज्यपाल महोदय के प्रेरक नेतृत्व में लोक भवन, झारखण्ड ने एक नई कार्य-संस्कृति को आत्मसात किया है, जिसमें पारदर्शिता, संवाद, सहभागिता और संवेदनशीलता के मूल्य स्पष्ट रूप से परिलक्षित होते हैं। उन्होंने अपने सहज, सुलभ और जनोन्मुखी दृष्टिकोण से जनमानस में 'पीपुल्स गवर्नर' की एक विशिष्ट पहचान स्थापित की है। यह परिसर अब केवल एक संवैधानिक अथवा प्रशासनिक केन्द्र न रहकर, जनसंपर्क और जनसमाधान का एक सक्रिय एवं सशक्त माध्यम बन चुका है। आम नागरिकों के लिए लोक भवन, झारखण्ड के द्वार सदैव खुले हैं, जहाँ उनकी समस्याओं को राज्यपाल महोदय द्वारा गंभीरता से सुना जाता है तथा समाधान हेतु सार्थक पहल की जाती है।

माननीय राज्यपाल महोदय की कार्यशैली में उनके दीर्घकालिक संसदीय अनुभव और प्रशासनिक दृष्टि का उत्कृष्ट समन्वय परिलक्षित होता है। उन्होंने राज्य के सुदूरवर्ती एवं दुर्गम क्षेत्रों तक पहुँच कर नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित किया तथा यह सुनिश्चित करने का सतत प्रयास किया है कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुँचे।

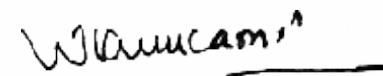
उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार उनकी प्राथमिकताओं में रहा है। विश्वविद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक वातावरण, समयबद्धता एवं वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए निरंतर मार्गदर्शन दिया गया है। दीक्षांत समारोहों का समय पर आयोजन, अकादमिक कैलेंडर का अनुपालन तथा शिक्षा व्यवस्था को और अधिक उत्तरदायी एवं प्रभावी बनाने की दिशा में उठाए गए कदम उल्लेखनीय हैं।

माननीय राज्यपाल महोदय के निर्देशन में लोक भवन, राँची में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के स्थापना दिवस समारोहों का आयोजन किया जाता है। इन

आयोजनों के माध्यम से देश की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को सम्मान देने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता एवं भावनात्मक एकीकरण को सुदृढ़ करने का सार्थक प्रयास किया गया है। इस क्रम में राज्यपाल महोदय लोक भवन में युवा संगम सहित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों के युवाओं तथा झारखण्ड के विद्यार्थियों से निरंतर संवाद कर उन्हें अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रेरित करते हैं। ये कदम युवाओं में राष्ट्रीय एकात्मता, भावनात्मक जुड़ाव तथा विविधता में एकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ करते हैं। माननीय राज्यपाल जी द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए लोक भवन परिसर में भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के सहयोग से राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर वृहद स्तर पर 'रक्तदान शिविर' का आयोजन किया गया, जिसमें नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने जनसेवा की भावना को और सुदृढ़ किया। राज्यपाल महोदय शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण तथा जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को निरंतर जागरूक एवं सक्रिय बनने हेतु प्रेरित करते हैं।

यह प्रकाशन केवल गतिविधियों का संकलन नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी यात्रा का प्रतिबिंब है, जिसमें संवेदनशील शासन, जनभागीदारी और समर्पित नेतृत्व के माध्यम से झारखण्ड को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने का सतत प्रयास किया गया है।

मुझे विश्वास है कि यह संकलन पाठकों को न केवल लोक भवन, झारखण्ड की कार्यशैली और प्रतिबद्धता से परिचित कराएगा, बल्कि राज्य के समग्र विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की प्रेरक झलक भी प्रस्तुत करेगा।



(डॉ० नितिन मदन कुलकर्णी)

राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव







माननीया राष्ट्रपति महोदया का झारखण्ड प्रवास
सेवा, संवेदना, यादें और सांस्कृतिक गौरव की
प्रेरणादायी यात्रा



माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी की अध्यक्षता में माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित राज्यपाल/उपराज्यपाल सम्मेलन में भाग लिया।

माननीय राज्यपाल महोदय के शपथ ग्रहण (31 जुलाई, 2024) के उपरांत झारखण्ड राज्य को भारत की माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी के कई प्रेरणादायी एवं ऐतिहासिक प्रवासों का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इन यात्राओं ने न केवल राज्य के शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं जनजातीय जीवन को नई ऊर्जा प्रदान की, बल्कि झारखण्ड के साथ माननीया राष्ट्रपति महोदया के आत्मीय संबंध, सादगीपूर्ण व्यक्तित्व तथा जनसेवा के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

- ❖ दिनांक 19-20 सितम्बर, 2024 : झारखण्ड प्रवास के क्रम में 20 सितम्बर, 2024 को लोक भवन, राँची में माननीया राष्ट्रपति महोदया द्वारा झारखण्ड के महान स्वतंत्रता सेनानियों एवं जननायकों की प्रतिमाओं से सुसज्जित 'मूर्ति गार्डन' का उद्घाटन किया गया। उल्लेखनीय है कि माननीया राष्ट्रपति महोदया ने झारखण्ड के राज्यपाल पद पर रहते हुए ही इस 'मूर्ति गार्डन' की परिकल्पना की थी। इस ऐतिहासिक परिसर में गया मुंडा, जतरा टाना भगत, तेलंगा खड़िया, नीलांबर-पीतांबर, सिदो-कान्हू, तिलका मांझी, दिवा-किसुन, वीर बुधू भगत तथा युगपुरुष स्वामी विवेकानन्द जी की प्रतिमाएँ स्थापित की गई हैं। यह 'मूर्ति गार्डन' राज्य की गौरवशाली जनजातीय चेतना, स्वतंत्रता संघर्ष और सांस्कृतिक अस्मिता का जीवंत प्रतीक बन गया है।

उसी दिन माननीया राष्ट्रपति महोदया की आईसीएआर-राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान के शताब्दी समारोह में भी गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर झारखण्ड की कृषि परंपरा, लाख उत्पादन तथा कृषि अनुसंधान में संस्थान के ऐतिहासिक योगदान को रेखांकित किया गया। माननीया राष्ट्रपति महोदया सदैव शिक्षा, महिला सशक्तिकरण तथा ग्रामीण विकास की प्रेरणास्रोत रही हैं। उनके व्यक्तित्व और जीवन-संघर्ष ने विशेष रूप से बालिकाओं एवं ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की है।

- ❖ 14 फरवरी, 2025 को लोक भवन, राँची में माननीया राष्ट्रपति महोदया का आगमन हुआ। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय ने राष्ट्रपति महोदया से शिष्टाचार भेंट कर राज्य के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की। दिनांक 15 फरवरी, 2025 को बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) मेसरा के प्लेटिनम जुबली समारोह में माननीया राष्ट्रपति महोदया की गरिमामयी उपस्थिति ने सम्पूर्ण शैक्षणिक जगत को गौरवान्वित किया। राज्यपाल महोदय ने अपने सम्बोधन में राष्ट्रपति महोदया को "जनसेवा, नारी शिक्षा और संघर्षशील जीवन मूल्यों की प्रेरणास्रोत" बताते हुए कहा कि अत्यंत साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुँचना देश की बेटियों के लिए प्रेरणा का अद्वितीय उदाहरण है।
- ❖ 31 जुलाई, 2025 को श्रावणी माह की पावन बेला में माननीया राष्ट्रपति महोदया का देवघर आगमन सम्पूर्ण राज्य के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण एवं आध्यात्मिक महत्त्व का अवसर बना। बाबा बैद्यनाथधाम एयरपोर्ट पर माननीय राज्यपाल महोदय ने उनका स्वागत किया। एम्स, देवघर के प्रथम दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति महोदया की उपस्थिति ने नवस्नातक विद्यार्थियों को सेवा, संवेदना और मानवीय मूल्यों के साथ चिकित्सा क्षेत्र में योगदान देने की प्रेरणा प्रदान की। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा देवघर में एम्स की स्थापना को झारखण्ड तथा पूर्वी भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।

लोक भवन, राँची में माननीया राष्ट्रपति महोदया का अभिनंदन करते हुए राज्यपाल महोदय ने 'लोक भवन, झारखण्ड द्वारा प्रकाशित पत्रिका' की प्रथम प्रति उन्हें भेंट की। यह अवसर इसलिए भी विशेष रहा क्योंकि इसी दिन राज्यपाल महोदय के झारखण्ड के राज्यपाल के रूप में एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण हुआ।

1 अगस्त, 2025 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी-आईएसएम), धनबाद के 45वें दीक्षांत समारोह में माननीया राष्ट्रपति महोदया की उपस्थिति विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी रही। राज्यपाल महोदय ने राष्ट्रपति महोदया के संघर्षपूर्ण जीवन, शिक्षा के प्रति समर्पण तथा महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उनके योगदान का विशेष उल्लेख किया।

- ❖ 29 दिसम्बर, 2025 को जमशेदपुर में आयोजित “22वें परसी महा एवं ओल चिकी लिपि के शताब्दी समारोह” में माननीया राष्ट्रपति महोदया की गरिमामयी उपस्थिति ने जनजातीय भाषा, संस्कृति और अस्मिता के इस महोत्सव को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। राज्यपाल महोदय ने अपने सम्बोधन में कहा कि ओल चिकी लिपि केवल एक लिपि नहीं, बल्कि संथाली समाज की सांस्कृतिक चेतना और गौरव का प्रतीक है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), जमशेदपुर के 15वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति महोदया की उपस्थिति ने विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रेरित किया। 30 दिसम्बर, 2025 को गुमला में आयोजित 'अंतर्राज्यीय जन सांस्कृतिक समागम-सह-कार्तिक जतरा' में माननीया राष्ट्रपति महोदया की सहभागिता ने झारखण्ड की जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं और राष्ट्रीय एकात्मता को नई पहचान प्रदान की।
- ❖ 26 फरवरी, 2026 को जमशेदपुर में 'श्री जगन्नाथ स्पिरिचुअल एवं कल्चरल चैरिटेबल सेंटर' के भूमि पूजन कार्यक्रम तथा मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज में आयोजित 'विद्यार्थियों से संवाद' कार्यक्रम में माननीया राष्ट्रपति महोदया की उपस्थिति ने आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक मूल्यों तथा युवा पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने का कार्य किया।

माननीया राष्ट्रपति महोदया के इन प्रवासों ने झारखण्ड में शिक्षा, संस्कृति, जनजातीय गौरव, महिला सशक्तिकरण, जनसंवाद तथा समावेशी विकास की भावना को नई दिशा प्रदान की। उनकी सादगी, संवेदनशीलता और जनसरोकारों से जुड़ी कार्यशैली ने झारखण्डवासियों के हृदय में विशेष स्थान बनाया है।

माननीया राष्ट्रपति महोदया की गरिमामयी उपस्थिति ने झारखण्ड की विकास यात्रा, सांस्कृतिक चेतना और जनविश्वास को नई ऊर्जा, नई प्रेरणा और नया आत्मबल प्रदान किया। यह यात्रा केवल औपचारिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रही, बल्कि जनभावना, सांस्कृतिक विरासत और समावेशी विकास के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता का जीवंत प्रतीक बनकर राज्यवासियों की स्मृतियों में सदैव अंकित रहेगी।

इसके अतिरिक्त माननीया राष्ट्रपति महोदया से माननीय राज्यपाल जी राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में समय-समय पर भेंट कर राज्य के विभिन्न विषयों के संबंध में चर्चा करते हैं। राज्यहित में उनका मार्गदर्शन निरंतर प्रेरणा का संचार करता है।

माननीय राज्यपाल
श्री संतोष कुमार गंगवार ने राष्ट्रपति
महोदया के राँची आगमन पर उनका
स्वागत एवं अभिनंदन किया।



दिनांक 19-20 सितम्बर, 2024 के झारखण्ड प्रवास के क्रम में, 20 सितम्बर, 2024 को लोक भवन, राँची में माननीया राष्ट्रपति महोदया द्वारा झारखण्ड के महान स्वतंत्रता सेनानियों एवं जननायकों की प्रतिमाओं से सुसज्जित 'मूर्ति गार्डन' का उद्घाटन किया गया। उल्लेखनीय है कि माननीया राष्ट्रपति महोदया ने झारखण्ड के राज्यपाल पद पर रहते हुए ही इस 'मूर्ति गार्डन' की परिकल्पना की थी। इस ऐतिहासिक परिसर में गया मुंडा, जतरा टाना भगत, तेलंगा खड़िया, नीलांबर-पीतांबर, सिदो-कान्हू, तिलका मांझी, दिवा-किसुन, वीर बुधू भगत तथा युगपुरुष स्वामी विवेकानन्द जी की प्रतिमाएँ स्थापित की गई हैं। यह 'मूर्ति गार्डन' राज्य की गौरवशाली जनजातीय चेतना, स्वतंत्रता संघर्ष और सांस्कृतिक अस्मिता का जीवंत प्रतीक बन गया है।

आईसीएआर- राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान का शताब्दी समारोह



आईसीएआर-राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान के शताब्दी समारोह में भारत की माननीया राष्ट्रपति की गरिमामयी उपस्थिति में माननीय राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड लाख उत्पादन में अग्रणी है और इस संस्थान ने लाख उत्पादन के साथ-साथ प्रोसेसिंग और उत्पाद विकास में अनेक तकनीकी नवाचार किए हैं। उन्होंने कहा कि झारखण्ड की अधिकांश आबादी कृषि पर निर्भर करती है। राज्य के किसानों को खुशहाल बनाना ही हमारी समृद्धि का आधार है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किसानों की आय बढ़ाने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' और 'किसान क्रेडिट कार्ड' जैसी योजनाएं किसानों के लिए अत्यधिक लाभकारी सिद्ध हो रही हैं।



बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) मेसरा का प्लेटिनम जुबली समारोह



भारत की माननीया राष्ट्रपति महोदया की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) मेसरा के प्लेटिनम जुबली समारोह में माननीय राज्यपाल ने कहा कि बीआईटी मेसरा देश का एक प्रतिष्ठित प्रौद्योगिकी संस्थान है। इस संस्थान ने बड़ी संख्या में ऐसे विद्यार्थियों को तैयार किया है, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी योग्यता से संस्थान और देश का नाम रोशन किया है। यह संस्थान निरंतर नये नवाचारों और अनुसंधान में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते समय में जब प्रतिदिन नई तकनीक, चुनौतियां और अवसर उत्पन्न हो रहे हैं, तो युवाओं के पास वह विज्ञान और क्षमता होनी चाहिए जो उन्हें अपनी राह पर अडिग रखे और समाज के उत्थान में योगदान दे सके।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीया राष्ट्रपति महोदया नारी शिक्षा की प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने विषम परिस्थिति में भी उच्च शिक्षा ग्रहण की। अपने कार्यकाल के दौरान बालिका शिक्षा और सशक्तिकरण हेतु उन्होंने राज्य में स्थित विभिन्न कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का भ्रमण किया। उनकी प्रेरणा से देश की लाखों बेटियां पढ़ने हेतु आगे बढ़ रही हैं। विभिन्न दीक्षांत समारोहों में देखा जा रहा है कि हमारी छात्राएं, छात्रों की तुलना में अधिक स्वर्ण पदक प्राप्त कर रही हैं। यह दर्शाता है कि जब अवसर मिलता है, तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रहतीं। यह नए भारत की तस्वीर है।



एम्स देवघर का प्रथम दीक्षांत समारोह झाब तभी सार्थक, जब जबकल्याण के काम आये : राज्यपाल

भारत की माननीया राष्ट्रपति महोदया की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित एम्स, देवघर के प्रथम दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल ने कहा कि श्रावणी मास की इस पुण्य बेला में बाबानगरी देवघर में उनका आगमन सम्पूर्ण राज्यवासियों के लिए हर्ष एवं उत्साह का विषय है। उन्होंने कहा कि देवघर केवल झारखण्ड ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतवर्ष की आस्था का प्रमुख केंद्र है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि चिकित्सा का मार्ग मात्र एक करियर का चयन नहीं है, बल्कि संवेदना, सेवा और नैतिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने एम्स, देवघर की स्थापना के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी का विशेष आभार प्रकट किया और कहा कि यह संस्थान न केवल झारखण्ड, बल्कि बिहार और बंगाल जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए भी स्वास्थ्य सेवाओं का केंद्र बन चुका है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने श्वेत कोट को विश्वास, करुणा और सेवा का प्रतीक मानें।





माननीया राष्ट्रपति महोदया का लोक भवन, रांची पहुंचने पर राज्यपाल महोदय ने अभिनंदन किया तथा विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय ने राष्ट्रपति महोदया को लोक भवन द्वारा प्रकाशित पत्रिका की प्रथम प्रति उन्हें भेंट की। विदित हो कि उक्त तिथि को ही राज्यपाल महोदय का झारखण्ड के राज्यपाल के रूप में एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण हुआ था।

माननीय राज्यपाल ने माननीया राष्ट्रपति महोदया के लोक भवन, रांची से प्रस्थान के क्रम में उनसे शिष्टाचार भेंट कर स्मृति-चिन्ह प्रदान किया।



आईआईटी (आईएसएम), धनबाद का 45वां दीक्षांत समारोह

यह संस्थान खनन, ऊर्जा, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में राष्ट्र को दिशा देता आया है - राज्यपाल

माननीया राष्ट्रपति की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित आईआईटी (आईएसएम), धनबाद के 45वें दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रपति महोदया की उपस्थिति से यह दीक्षांत समारोह अत्यंत प्रेरणादायक बन गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति महोदया का झारखण्ड से विशेष आत्मीय संबंध रहा है। उनकी सादगी और संवेदनशीलता ने झारखण्डवासियों के हृदय में विशेष स्थान बनाया है। उन्होंने राष्ट्रपति महोदया के जीवन संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि एक साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर उन्होंने जिस प्रकार विषम परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त की और अपने गांव की पहली कॉलेज जाने वाली बेटी बनीं, वह सम्पूर्ण देश के लिए प्रेरणा का विषय है। राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने ज्ञान का उपयोग समाज और राष्ट्र के कल्याण में करें।



22वें परसी महा एवं ओल चिकी लिपि के शताब्दी समारोह का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह समावेशी राष्ट्र निर्माण की भावना का महोत्सव : राज्यपाल



माननीया राष्ट्रपति महोदया की गरिमामयी उपस्थिति में जमशेदपुर में आयोजित 22वें परसी महा एवं ओल चिकी लिपि के शताब्दी समारोह के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह आयोजन जनजातीय समाज की भाषा, संस्कृति, कला और अस्मिता का सजीव उत्सव है। यह महोत्सव हमारी लोक-संस्कृति, लोक-स्मृति और सामुदायिक एकता का उत्सव है, जो पीढ़ियों से हमारी पहचान को जीवित रखे हुए है। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार द्वारा वर्ष 2003 में संविधान संशोधन अधिनियम के माध्यम से संथाली भाषा को भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित किया गया था। यह निर्णय संथाली भाषा और संस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि था। उन्होंने कहा कि आज जब ओल चिकी लिपि के शताब्दी वर्ष का उत्सव मनाया जा रहा है, तो यह अवसर महान समाज सुधारक पंडित रघुनाथ मुर्मू के अतुलनीय योगदान का स्मरण कराता है। पंडित रघुनाथ मुर्मू ने व्यक्तिगत हित से ऊपर उठकर समाज, भाषा और संस्कृति के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित किया। उनका जीवन यह संदेश देता है कि दृढ़ संकल्प और सच्चे उद्देश्य के साथ किया गया प्रयास असंभव को भी संभव बना सकता है।

एन.आई.टी. जमशेदपुर का 15वां दीक्षांत समारोह

ज्ञान तभी सार्थक, जब नवाचार से जुड़े : राज्यपाल



माननीय राष्ट्रपति महोदया की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित एन.आई.टी. जमशेदपुर के 15वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल ने कहा कि तकनीकी दक्षता के साथ-साथ नैतिकता, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्य आपके व्यक्तित्व की आधारशिला होने चाहिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल वित्तीय लेन-देन के क्षेत्र में भी हमारा देश विश्व में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत@2047' की दिशा में एक दूरदर्शी और प्रेरक संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में हमारे तकनीकी संस्थानों, वैज्ञानिकों तथा युवा अभियंताओं की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। उन्होंने कहा कि ज्ञान तभी सार्थक है, जब वह समाज और राष्ट्र के कल्याण में प्रयुक्त हो। आप जहां भी कार्य करें, जमशेदजी टाटा की दूरदृष्टि और एन.आई.टी. जमशेदपुर की गौरवशाली परंपरा को अपने आचरण में जीवित रखें।

अंतर्राज्यीय जन सांस्कृतिक समागम-सह-कार्तिक जतरा परंपरा व स्वाभिमान की प्रतीक गुमला की धरती : राज्यपाल



माननीया राष्ट्रपति जी की गरिमामयी उपस्थिति में गुमला में आयोजित 'अंतर्राज्यीय जन सांस्कृतिक समागम-सह-कार्तिक जतरा' को माननीय राज्यपाल ने संबोधित करते हुए कहा कि गुमला की धरती केवल संस्कृति और परंपरा की ही नहीं, बल्कि साहस, संघर्ष, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की भी प्रतीक रही है। उन्होंने कहा कि माननीया राष्ट्रपति महोदय का यह प्रवास राज्य के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने समारोह में आए छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल एवं छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री तथा विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों व संस्कृति प्रेमियों का भी स्वागत किया।





श्री जगन्नाथ स्फिरिचुअल एवं कल्चरल चैरिटेबल सेंटर, कदमा, जमशेदपुर का भूमि पूजन

**आस्था समाज को जोड़ने और राष्ट्र की एकता को सुदृढ़
करने का कार्य करती है : राज्यपाल**

माननीया राष्ट्रपति की गरिमामयी उपस्थिति में माननीय राज्यपाल ने श्री जगन्नाथ स्फिरिचुअल एवं कल्चरल चैरिटेबल सेंटर, कदमा, जमशेदपुर के भूमि पूजन कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि 'लौहनगरी' जमशेदपुर केवल उद्योगों का केंद्र नहीं, बल्कि अनुशासन, श्रम, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की परंपरा का जीवंत प्रतीक है। इस नगर की पहचान विश्वविख्यात औद्योगिक समूह टाटा ग्रुप से जुड़ी है। जमशेदजी टाटा का स्वप्न केवल औद्योगिक उन्नति तक सीमित नहीं था, बल्कि राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा की व्यापक दृष्टि से प्रेरित था। राज्यपाल महोदय ने कहा कि ऐसी पावन कर्मभूमि पर भगवान जगन्नाथ के नाम से आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना अत्यंत सार्थक है। 'जगन्नाथ' अर्थात् समस्त जगत के स्वामी करुणा और लोक-कल्याण की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ की महिमा देश-विदेश में सर्वव्यापी है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि आस्था सीमाओं में बंधी नहीं होती, बल्कि समाज को जोड़ने और राष्ट्र की एकता को सुदृढ़ करने का कार्य करती है।



माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी के साथ माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर में 'विद्यार्थियों से संवाद' कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।





“
मानवीय उपराष्ट्रपति महोदय का झारखण्ड प्रवास
झारखण्ड की स्मृतियां, युवा संवाद और आत्मीय जुड़ाव की
प्रेरक यात्रा
”



झारखण्ड राज्य को भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन जी के प्रेरणादायी प्रवास का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ। माननीय उपराष्ट्रपति महोदय की गरिमामयी उपस्थिति ने राज्य के शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं बौद्धिक परिवेश को नई ऊर्जा प्रदान की। उनका झारखण्ड से विशेष आत्मीय संबंध रहा है, क्योंकि उन्हें भी झारखण्ड राज्य के राज्यपाल के रूप में सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। झारखण्ड की संस्कृति, परंपरा और यहाँ के जनमानस से उनका गहरा जुड़ाव सदैव परिलक्षित होता रहा है।

28 मार्च, 2026 को भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), राँची के दीक्षांत समारोह में माननीय उपराष्ट्रपति महोदय की गरिमामयी उपस्थिति ने इस अवसर को अत्यंत प्रेरणादायी एवं ऐतिहासिक बना दिया। माननीय राज्यपाल महोदय ने अपने संबोधन में उनका हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि झारखण्ड की इस पावन धरती से उनका विशेष आत्मीय संबंध रहा है।

माननीय उपराष्ट्रपति महोदय ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे प्रबंधन शिक्षा को केवल बोर्ड रूम और बैलेंस शीट तक सीमित न रखें, बल्कि उसे समाज की वास्तविक चुनौतियों के समाधान तथा समावेशी विकास के प्रभावी माध्यम के रूप में देखें। उन्होंने युवाओं से नशामुक्त जीवन अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवा शक्ति की सकारात्मक ऊर्जा और नैतिक नेतृत्व की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विद्यार्थियों को “विकसित भारत@2047” के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि वास्तविक जीवन के निर्णय केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे समाज में विश्वास, संवेदनशीलता और सकारात्मक परिवर्तन की दिशा भी निर्धारित करते हैं।

माननीय उपराष्ट्रपति महोदय ने विद्यार्थियों को ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिकता को अपने जीवन एवं नेतृत्व का आधार बनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि एक सफल प्रबंधक बनने से अधिक महत्वपूर्ण एक संवेदनशील, उत्तरदायी और चरित्रवान नागरिक बनना है।

- ❖ इससे पूर्व, माननीय उपराष्ट्रपति महोदय ने खूंटी जिले के उलिहातू गाँव पहुँचकर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली पर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके वंशजों से आत्मीय संवाद किया। इसके पश्चात् उन्होंने राँची स्थित बिरसा चौक पर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उन्होंने झारखण्ड के राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल से जुड़ी स्मृतियों को भी साझा किया।

माननीय उपराष्ट्रपति महोदय की यह एकदिवसीय यात्रा युवा शक्ति और जनभावनाओं के साथ उनके आत्मीय संबंध का सजीव प्रतीक बन गया। उनकी गरिमामयी उपस्थिति एवं प्रेरक विचारों ने राज्य के युवाओं और बुद्धिजीवियों को राष्ट्र निर्माण तथा समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ने की नई प्रेरणा प्रदान की।



माननीय राज्यपाल ने माननीय उपराष्ट्रपति के झारखण्ड आगमन पर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

माननीय उपराष्ट्रपति महोदय के साथ माननीय राज्यपाल ने खूंटी जिले के उलिहातू गाँव पहुँचकर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली पर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके वंशजों से संवाद किया। इस अवसर पर माननीय उप-राष्ट्रपति ने झारखण्ड के राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल से जुड़ी स्मृतियों को भी साझा किया।



माननीय राज्यपाल ने माननीय
उपराष्ट्रपति जी की गरिमामयी
उपस्थिति में बिरसा मुंडा
कॉम्प्लेक्स, उलिहातूर, खूँटी स्थित
भगवान बिरसा मुंडा की आदमकद
प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें
श्रद्धांजलि अर्पित की।



माननीय राज्यपाल ने लोक भवन,
रांची में माननीय उपराष्ट्रपति
का स्वागत किया।

भारतीय प्रबंध संस्थान, राँची का दीक्षांत समारोह

अपने ज्ञान, ऊर्जा एवं नवाचार के बल पर देश को नई
ऊँचाइयों तक पहुँचाने में योगदान दें : राज्यपाल

माननीय उपराष्ट्रपति जी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) राँची के दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल ने कहा कि भारतीय प्रबंध संस्थान, राँची देश के अग्रणी प्रबंधन संस्थानों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुका है। उन्होंने कहा कि ऐसे उच्च कोटि के संस्थान जिस भी राज्य में स्थापित होते हैं, वे उस राज्य के लिए गौरव का विषय होते हैं। उन्होंने संस्थान में स्थापित 'अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर पॉलिसी, लीडरशिप एंड गवर्नेंस' तथा भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर स्थापित 'सेंटर फॉर ट्राइबल अफेयर्स' की सराहना की।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिवेश में चुनौतियों के साथ-साथ अवसर भी व्यापक हैं। ऐसे समय में युवाओं को अपने निर्णयों में नैतिकता, पारदर्शिता एवं मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि रखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान, ऊर्जा एवं नवाचार के बल पर देश को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में योगदान दें। उन्होंने कहा कि जहाँ भी जाएँ, जिस भी क्षेत्र में कार्य करें, वहाँ केवल सफलता ही नहीं, बल्कि उत्कृष्टता एवं मानवीय मूल्यों की पहचान बनें। एक अच्छा प्रबंधक बनना महत्वपूर्ण है, किंतु एक अच्छा इंसान बनना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है।







माननीय प्रधानमंत्री जी का झारखण्ड प्रवास
विकास, जनविश्वास और समृद्धि की संकल्प यात्रा

झारखण्ड राज्य को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में गरिमामयी उपस्थिति का गौरव प्राप्त हुआ। इन यात्राओं ने न केवल राज्य के विकास को नई गति प्रदान की, बल्कि झारखण्ड के प्रति माननीय प्रधानमंत्री जी के विशेष आत्मीय संबंध, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को भी सशक्त रूप से अभिव्यक्त किया। इन अवसरों पर रेलवे, जनजातीय कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, आधारभूत संरचना, पर्यटन तथा सामाजिक उत्थान से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया गया। माननीय प्रधानमंत्री जी के कर-कमलों द्वारा राज्य को वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात, जनजातीय समुदायों के सर्वांगीण विकास हेतु नई पहलों का शुभारंभ तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण झारखण्ड की प्रगति यात्रा में मील का पत्थर सिद्ध हुआ।

- ❖ 15 सितम्बर, 2024 को माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा झारखण्ड सहित देश को छह वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात प्रदान की गई, जिनमें टाटानगर-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस, देवघर-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस तथा ब्रह्मपुर-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस विशेष रूप से झारखण्ड से जुड़ी महत्वपूर्ण रेल सेवाएँ हैं। अचानक मौसम खराब होने के कारण माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, राँची से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इन ट्रेनों का शुभारंभ किया गया। साथ ही, मधुपुर बाईपास लाइन एवं हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो की आधारशिला भी रखी गई। इन परियोजनाओं ने राज्य की रेल संपर्क व्यवस्था, व्यापार, पर्यटन तथा धार्मिक यात्राओं को नई गति प्रदान की। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय जमशेदपुर में उपस्थित रहे। उक्त अवसर पर अपार जनसमूह के उत्साह और जनभावनाओं को देखते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी ने सड़क मार्ग से जमशेदपुर पहुँचकर नागरिकों से संवाद स्थापित किया। प्रतिकूल मौसम के बावजूद जनता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने सभी को प्रेरित किया। इस दौरान सोशल मीडिया पर यह संदेश व्यापक रूप से चर्चित हुआ --- **“न इंद्र रुके और न नरेंद्र।”**
- ❖ 2 अक्टूबर, 2024 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर हजारीबाग में आयोजित कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' का शुभारंभ किया गया, जो जनजातीय समाज के समग्र विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। इस अवसर पर एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के उद्घाटन एवं शिलान्यास के माध्यम से जनजातीय अंचलों में शिक्षा के सशक्तिकरण की दिशा को और अधिक बल मिला। झारखण्ड राज्य से माननीय प्रधानमंत्री जी का विशेष आत्मीय संबंध रहा है। इससे पूर्व भी वे भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती के अवसर पर उनकी जन्मस्थली उलिहातू पहुँचकर राज्यवासियों को हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दे चुके हैं। देवघर में एम्स की स्थापना, हवाई अड्डे का विकास तथा आधारभूत संरचना से जुड़ी अनेक परियोजनाएँ उनके झारखण्ड के प्रति विशेष लगाव को दर्शाती हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी के झारखण्ड भ्रमणों के दौरान राज्यपाल महोदय द्वारा भी राज्य के विभिन्न जिलों एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों के अपने अनुभव साझा किए गए। उन्होंने अवगत कराया कि प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन तथा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से राज्य के नागरिकों, विशेषकर महिलाओं एवं ग्रामीण समुदायों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

माननीय राज्यपाल महोदय समय-समय पर नई दिल्ली जाकर आदरणीय प्रधानमंत्री जी को राज्य की विभिन्न योजनाओं एवं समसामयिक विषयों से भी अवगत कराते रहते हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व तथा राज्य के प्रति विशेष आत्मीयता ने झारखण्ड को विकास और समृद्धि की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दी ट्रेनों की सौगात

15 सितम्बर, 2024 को माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, राँची से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम झारखण्ड सहित देश को छह वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात प्रदान की गई, जिनमें टाटानगर-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस, देवघर-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस तथा ब्रह्मपुर-टाटानगर वंदे भारत एक्सप्रेस विशेष रूप से झारखण्ड से जुड़ी महत्वपूर्ण रेल सेवाएँ हैं। अचानक मौसम खराब होने के कारण माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, राँची से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इन ट्रेनों का शुभारंभ किया गया। साथ ही, मधुपुर बाईपास लाइन एवं हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो की आधारशिला भी रखी गई। इन परियोजनाओं ने राज्य की रेल संपर्क व्यवस्था, व्यापार, पर्यटन तथा धार्मिक यात्राओं को नई गति प्रदान की। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय जमशेदपुर में उपस्थित रहे।



‘धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान’ का शुभारंभ

माननीय प्रधानमंत्री जी के झारखण्ड आगमन पर माननीय राज्यपाल ने हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया।



राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर हजारीबाग में आयोजित कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' का शुभारंभ किया गया, जो जनजातीय समाज के समग्र विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। इस अवसर पर एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया गया। माननीय प्रधानमंत्री जी जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा के व्यापक विस्तार हेतु निरंतर प्रयासरत हैं। राज्यपाल महोदय ने माननीय प्रधानमंत्री जी का राज्य को विभिन्न सौगातें प्रदान करने हेतु उनका आभार प्रकट किया तथा कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी के स्नेह और मार्गदर्शन से झारखण्ड राज्य विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने में सफल होगा।

राज्यपाल महोदय ने माननीय प्रधानमंत्री जी को 'लोक भवन पत्रिका' भेंट की



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की तथा राज्य के विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर लोक भवन, रांची द्वारा प्रकाशित पत्रिका की प्रति माननीय प्रधानमंत्री को भेंट की। यह पत्रिका झारखण्ड की विभिन्न गतिविधियों, महत्वपूर्ण आयोजनों और पहलों का संकलन है।

माननीय प्रधानमंत्री जी के झारखण्ड आगमन के दौरान राज्यपाल महोदय द्वारा भी राज्य के विभिन्न जिलों एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों के अपने अनुभव साझा किए गए। उन्होंने अवगत कराया कि प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन तथा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से राज्य के नागरिकों, विशेषकर महिलाओं एवं ग्रामीण समुदायों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है।







“ शपथ ग्रहण समारोह ”



माननीय राज्यपाल महोदय झारखण्ड राज्य के संवैधानिक प्रमुख के रूप में संविधान द्वारा प्रदत्त दायित्वों का पूर्ण निष्ठा के साथ, निष्पक्षता एवं गरिमा सहित निर्वहन करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहे हैं। उनके कार्यकाल में लोक भवन, झारखण्ड अनेक महत्वपूर्ण शपथ ग्रहण समारोहों का साक्षी बना।

31 जुलाई, 2024 को माननीय श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड के राज्यपाल के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। झारखण्ड उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसी के साथ उन्होंने संविधान की रक्षा, राज्य के समग्र विकास, सुशासन, पारदर्शिता तथा जनकल्याण के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन प्रारम्भ किया।

माननीय राज्यपाल महोदय के कार्यकाल में राज्य के विभिन्न संवैधानिक एवं वैधानिक पदों पर नियुक्त व्यक्तियों के शपथ ग्रहण समारोह भी गरिमापूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुए। इस अवधि में माननीय राज्यपाल महोदय ने माननीय मुख्यमंत्री, राज्य मंत्रिपरिषद् के सदस्यों, झारखण्ड विधानसभा के कार्यकारी अध्यक्ष, झारखण्ड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, लोकायुक्त, राज्य सूचना आयोग तथा अन्य महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों पर नियुक्त व्यक्तियों को उनके पद की शपथ दिलाई। इन अवसरों पर उन्होंने शपथ ग्रहण करने वाले सभी पदधारकों से संविधान की मर्यादा, निष्पक्षता, पारदर्शिता तथा जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की अपेक्षा व्यक्त की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने झारखण्ड राज्य के राज्यपाल के रूप में शपथ ली

(दिनांक 31 जुलाई, 2024)



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार को लोक भवन के बिरसा मंडप में झारखण्ड उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति श्री सुजीत नारायण प्रसाद ने झारखण्ड राज्य के राज्यपाल के पद की शपथ दिलाई। उक्त अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन, झारखण्ड विधानसभा अध्यक्ष श्री रबीन्द्र नाथ महतो, राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यगण, झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण, सांसदगण, विधायकगण, भारतीय प्रशासनिक एवं पुलिस सेवा के वरीय पदाधिकारीगण एवं अन्य गणमान्य अतिथिगण मौजूद थे। राज्यपाल महोदय ने शपथ ग्रहण करने के पश्चात् उपस्थित पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि यह राज्य बहुत अच्छा क्षेत्र है और आशा है कि यह प्रगति की दिशा में नए मापदंड स्थापित करेगा।

माननीय मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण

(दिनांक 28 नवंबर, 2024)



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने मोरहाबादी, राँची में आयोजित एक भव्य शपथ ग्रहण समारोह में श्री हेमन्त सोरेन को झारखण्ड राज्य के मुख्यमंत्री के पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय ने श्री सोरेन को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ दीं। इससे पूर्व तत्कालीन मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी ने माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन की नियुक्ति संबंधी वारंट को पढ़ा तथा राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी द्वारा माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन को शपथ ग्रहण हेतु आमंत्रित किया गया। उक्त शपथ ग्रहण में कई विशिष्ट अतिथिगण, सांसदगण, विधायकगण तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा व पुलिस सेवा के वरीय पदाधिकारीगण एवं नागरिक मौजूद थे।

माननीय राज्यपाल ने राज्य मंत्रिपरिषद् के सदस्य एवं झारखण्ड विधान सभा के कार्यकारी अध्यक्ष को शपथ दिलाई

(दिनांक 05 दिसंबर, 2024)



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन स्थित अशोक उद्यान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में श्री राधाकृष्ण किशोर, श्री दीपक बिरुवा, श्री चमरा लिंडा, श्री संजय प्रसाद यादव, श्री रामदास सोरेन, श्री इरफान अंसारी, श्री हफीजुल हसन, श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह, श्री योगेंद्र प्रसाद, श्री सुदिव्य कुमार एवं श्रीमती शिल्पी नेहा तिकी को झारखण्ड राज्य मंत्रिपरिषद् के सदस्य के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। राज्यपाल महोदय ने सभी मंत्रीगण को शपथ लेने के उपरांत शुभकामनाएँ दीं। इससे पूर्व राज्य की मुख्य सचिव ने माननीय मंत्रियों की नियुक्ति संबंधी वारंट को पढ़ा तथा राज्यपाल के प्रधान सचिव द्वारा माननीय मंत्रीगण को शपथ ग्रहण हेतु आमंत्रित किया गया। माननीय मंत्रीगण के शपथ ग्रहण के पूर्व माननीय राज्यपाल ने झारखण्ड विधान सभा के वरिष्ठ सदस्य प्रो. स्टीफन मरांडी को झारखण्ड विधान सभा के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में शपथ दिलाई।

माननीय राज्यपाल ने दिलायी माननीय न्यायमूर्ति श्री एम.एस. रामचंद्र राव को झारखण्ड राज्य उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ

(दिनांक 25 सितंबर, 2024)

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन स्थित बिरसा मंडप में माननीय न्यायमूर्ति श्री एम.एस. रामचंद्र राव को झारखण्ड राज्य उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल महोदय ने माननीय मुख्य न्यायाधीश को शपथ ग्रहण के उपरांत हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ दीं।



माननीय मुख्य न्यायाधीश श्री तरलोक सिंह चौहान को माननीय राज्यपाल ने दिलायी शपथ

(दिनांक 23 जुलाई, 2025)



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन स्थित बिरसा मंडप में माननीय न्यायमूर्ति श्री तरलोक सिंह चौहान को झारखण्ड राज्य उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल महोदय ने माननीय मुख्य न्यायाधीश को शपथ ग्रहण के उपरांत हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं।

झारखण्ड राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष का शपथ ग्रहण

(दिनांक 26 अगस्त, 2025)



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन के दरबार हॉल में न्यायमूर्ति श्री नवनीत कुमार, सेवानिवृत्त न्यायाधीश, माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय, रांची को झारखण्ड राज्य विद्युत नियामक आयोग, रांची के अध्यक्ष के पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। राज्यपाल महोदय ने नवनियुक्त अध्यक्ष को अपनी शुभकामनाएं दीं।



**माननीय राज्यपाल ने माननीय न्यायमूर्ति श्री एम.एस सोनक को झारखण्ड
उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ दिलाई**
(दिनांक 09 जनवरी, 2026)



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन स्थित बिरसा मंडप में माननीय न्यायमूर्ति श्री एम.एस सोनक को झारखण्ड राज्य उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल महोदय ने माननीय मुख्य न्यायाधीश को शपथ ग्रहण के उपरांत हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं।

माननीय राज्यपाल ने माननीय न्यायमूर्ति श्री अमिताभ कुमार गुप्ता को झारखण्ड राज्य के लोकायुक्त पद की शपथ दिलाई

(दिनांक 21 अप्रैल, 2026)



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन, राँची स्थित दरबार हॉल में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में झारखण्ड उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री अमिताभ कुमार गुप्ता को झारखण्ड राज्य के लोकायुक्त पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल महोदय ने न्यायमूर्ति श्री अमिताभ कुमार गुप्ता को शपथ ग्रहण के उपरांत शुभकामनाएँ दीं।





“
लोक भवन में ‘एक भारत, श्रेष्ठ भारत’
अन्तर्गत राज्य स्थापना दिवस समारोह
”

माननीय राज्यपाल महोदय की गरिमामयी उपस्थिति में लोक भवन, झारखण्ड द्वारा समय-समय पर विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के स्थापना दिवस समारोह आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों का उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक विविधता, राष्ट्रीय एकता एवं पारस्परिक सद्भाव की भावना को और अधिक सशक्त बनाना है।

इन समारोहों के अंतर्गत संबंधित राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं, भाषा, कला, खान-पान एवं ऐतिहासिक विशेषताओं को प्रदर्शित किया जाता है। झारखण्ड में निवास कर रहे उन राज्यों के नागरिकों को विशेष रूप से आमंत्रित कर सम्मानित किया जाता है, जिससे विभिन्न संस्कृतियों के मध्य आत्मीय संवाद एवं राष्ट्रीय एकात्मता की भावना को बल मिलता है।

माननीय राज्यपाल महोदय सदैव इस बात पर बल देते रहे हैं कि भारत की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। देश की विभिन्न भाषाएँ, परंपराएँ, लोक कलाएँ एवं सांस्कृतिक विरासत हमें “विविधता में एकता” का अमूल्य संदेश प्रदान करती हैं।

इन आयोजनों एवं पहलों के माध्यम से लोक भवन, झारखण्ड राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समन्वय तथा “एक भारत-श्रेष्ठ भारत” की भावना को व्यावहारिक रूप से साकार करने की दिशा में सतत प्रयासरत है।

उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा, मणिपुर और मेघालय का स्थापना दिवस

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन में संयुक्त रूप से उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा, मणिपुर और मेघालय के राज्य स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर कहा कि यह समारोह हमारी सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक है। यह प्रदेश अपनी समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रसिद्ध है। वाराणसी, अयोध्या और मथुरा जैसे स्थान देश और विश्व के लिए विशेष महत्व रखते हैं। उत्तर प्रदेश विश्वविख्यात ताजमहल से लेकर पवित्र गंगा नदी तक, दुनिया के हर कोने से लोगों को आकर्षित करता है। प्रयागराज कुंभ मेले के लिए प्रसिद्ध है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि त्रिपुरा, मणिपुर और मेघालय जैसे पूर्वोत्तर राज्य हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं।



बिहार राज्य स्थापना दिवस समारोह

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने बिहार राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार का इतिहास न केवल गौरवशाली है, बल्कि इसकी समृद्ध सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक विरासत भी प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि यह पावन भूमि भगवान महावीर, गौतम बुद्ध, गुरु गोविंद सिंह, चाणक्य, सम्राट अशोक, वीर कुंवर सिंह, आर्यभट्ट, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जैसी विभूतियों की रही है। यह भारतीय इतिहास और सभ्यता का केंद्र रहा है। लोकतंत्र की जड़ें बिहार के वैशाली में पनपी थी, जिसे लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। नालंदा और विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालयों ने पूरे विश्व को शिक्षा और ज्ञान के प्रकाश से आलोकित किया।



राजस्थान एवं ओडिशा स्थापना दिवस समारोह



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति में लोक भवन, रांची में राजस्थान और ओडिशा स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। राज्यपाल महोदय ने दोनों राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक विरासत पर प्रकाश डाला तथा कहा कि राजस्थान और ओडिशा अपनी विशिष्ट परंपराओं, वीरता, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए पूरे देश में विख्यात हैं। उन्होंने राजस्थान की वीर गाथाओं और स्थापत्य कला की प्रशंसा करते हुए कहा कि मेवाड़, मारवाड़, जयपुर की यह भूमि विश्व में प्रसिद्ध है। माननीय राज्यपाल ने ओडिशा के गौरवमयी इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि यह राज्य आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक धरोहर का केंद्र है। भगवान जगन्नाथ की पावन भूमि, कोणार्क का सूर्य मंदिर, पुरी की रथयात्रा महोत्सव और ओडिसी नृत्य इस राज्य की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक भव्यता को दर्शाते हैं।



हिमाचल प्रदेश स्थापना दिवस समारोह

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति में लोक भवन, रांची में 'हिमाचल प्रदेश स्थापना दिवस समारोह' का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। राज्यपाल महोदय ने समारोह को संबोधित करते हुए सभी को हिमाचल प्रदेश स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हिमाचल न केवल अपनी नैसर्गिक सुंदरता और आध्यात्मिक विरासत के लिए जाना जाता है, बल्कि यह राज्य वीरता, सेवा और राष्ट्र निष्ठा की भावना से भी ओतप्रोत है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश केवल 'देवभूमि' ही नहीं, बल्कि ऐसी भूमि है जहां की सरल, कर्मठ और राष्ट्रनिष्ठ जनता ने भारत को आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में अनुकरणीय भूमिका निभाई है।

गुजरात एवं महाराष्ट्र स्थापना दिवस समारोह



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन में आयोजित गुजरात एवं महाराष्ट्र स्थापना दिवस समारोह में उपस्थित लोगों का अभिनंदन करते हुए कहा कि आज हमारा देश विश्व की एक सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और इस उपलब्धि में गुजरात और महाराष्ट्र का अहम योगदान है। दोनों राज्यों का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक योगदान भारत की विकास यात्रा में अद्वितीय रहा है। इन राज्यों से जुड़े लोग झारखण्ड में भी विविध क्षेत्रों व्यापार, उद्योग, चिकित्सा, शिक्षा एवं सामाजिक सेवा में सराहनीय योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे अपर मुख्य सचिव एवं परिसहाय (पुलिस) भी महाराष्ट्र के मूल निवासी हैं और यहां अपना अहम योगदान दे रहे हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि यहां निवास कर रहे गुजराती और मराठी समाज ने झारखण्ड की मिट्टी से अपनापन जोड़कर इसे समृद्ध किया है जो कि हर्ष का विषय है। यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना का प्रत्यक्ष उदाहरण है।



सिक्किम राज्य स्थापना दिवस समारोह

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन में आयोजित सिक्किम राज्य स्थापना दिवस कार्यक्रम में झारखण्ड में निवास कर रहे सिक्किमवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि सिक्किम अपने प्राकृतिक सौंदर्य और शांत वातावरण के लिए देश में प्रसिद्ध है। खुशियों की धरती के रूप में विख्यात यह राज्य अपने नागरिकों के अदम्य साहस, जीवंत संस्कृति और अनुकरणीय विकास का प्रतीक है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि सिक्किम जैविक कृषि, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में देशभर में एक अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरा है। यह भारत का पहला ऐसा राज्य है, जिसने पूरी तरह से जैविक खेती को अपनाया और इको-टूरिज्म, स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास की अवधारणाओं को व्यवहार में लाया।



तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस समारोह

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन में आयोजित तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर तेलंगाना राज्य के सभी नागरिकों एवं झारखण्ड में रह रहे तेलंगाना मूल के लोगों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि तेलंगाना राज्य का गठन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो एक लंबे जन आंदोलन और क्षेत्रीय आकांक्षाओं का प्रतीक रहा है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि भारत विविधताओं से भरा देश है और 'विविधता में एकता' की भावना सबसे बड़ी शक्ति है। इसी भावना को सशक्त करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' जैसी दूरदर्शी पहल प्रारंभ की गई, जो राज्यों के बीच आपसी समझ, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करती है।

पश्चिम बंगाल राज्य स्थापना दिवस समारोह



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन में आयोजित पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस समारोह में झारखण्ड में निवास कर रहे बंगालवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा भारतवर्ष विविधताओं का देश है। यहां की भाषाएं, परंपराएं, संस्कृति और रीति-रिवाज अत्यंत समृद्ध हैं तथा हम सब एक सूत्र में बंधे हुए हैं, यह "विविधता में एकता" हमारी सबसे बड़ी शक्ति है और यह पूरी दुनिया के सामने एक अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि हमें न केवल अपनी भाषा और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए, बल्कि अन्य राज्यों की भाषा और संस्कृति का भी आदर करना चाहिए। राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखण्ड और पश्चिम बंगाल का संबंध केवल भौगोलिक निकटता तक सीमित नहीं है, बल्कि दोनों राज्यों के बीच सांस्कृतिक, सामाजिक और भावनात्मक संबंध भी अत्यंत गहरे हैं। उन्होंने झारखण्ड में निवासरत बंगाली समाज के शिक्षा, संस्कृति, उद्योग, व्यापार तथा सामाजिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में दिए गए उल्लेखनीय योगदान की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी।



विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों का स्थापना दिवस समारोह

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति में लोक भवन में जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, चंडीगढ़, दिल्ली, लक्षद्वीप और पुडुचेरी राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों का स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने वहां के नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा अनुच्छेद 370 को हटाने का ऐतिहासिक निर्णय इन दोनों केंद्र शासित प्रदेशों के नागरिकों को समान अधिकार और अवसर सुनिश्चित कराने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध हुआ है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि देश के विभिन्न भागों से जुड़े नागरिक झारखण्ड की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।



नागालैंड एवं असम राज्य स्थापना दिवस समारोह

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन में आयोजित नागालैंड एवं असम राज्य स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए झारखण्ड में निवासरत नागालैंड और असम के नागरिकों से कहा कि आप सभी अपने कठिन परिश्रम, समर्पण और प्रतिभा से झारखण्ड के विकास में निरंतर योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों राज्य पूर्वोत्तर भारत के अत्यंत सुंदर एवं सांस्कृतिक रूप से समृद्ध प्रदेश हैं, जिनकी पहचान केवल प्राकृतिक सौंदर्य से नहीं, बल्कि कला, संस्कृति, परंपरा और लोगों की सरलता से भी होती है। राज्यपाल महोदय ने पूर्वोत्तर भारत का उल्लेख करते हुए कहा कि इन राज्यों ने देश के विकास, सुरक्षा, सांस्कृतिक समृद्धि और पर्यावरणीय संतुलन में विशिष्ट तथा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह क्षेत्र भारत का सामरिक रूप से महत्वपूर्ण द्वार है, जहां विविध जनजातियां, भाषाएं और परंपराएं मिलकर एक सुंदर सांस्कृतिक इंद्रधनुष निर्मित करती हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों, जैव-विविधता, पारंपरिक ज्ञान, हस्तशिल्प, संगीत-नृत्य और पर्यटन की अपार संभावनाओं के साथ पूर्वोत्तर भारत हमारे राष्ट्र की ऊर्जा, सामर्थ्य और सांस्कृतिक वैभव का अमूल्य स्रोत है। यहां के लोग अपनी मेहनत, आत्म-सम्मान, देशभक्ति और शांतिप्रिय स्वभाव के लिए जाने जाते हैं।







“ युवाओं के साथ संवाद ”



माननीय राज्यपाल महोदय का दृढ़ विश्वास है कि युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उनके विचार में युवाओं की ऊर्जा, नवाचार, प्रतिभा एवं सकारात्मक सोच ही विकसित भारत के निर्माण का आधार है। इसी उद्देश्य से वे समय-समय पर लोक भवन, झारखण्ड में राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों व युवाओं के साथ आत्मीय संवाद करते हैं और उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते हैं।

इन संवाद कार्यक्रमों के दौरान माननीय राज्यपाल महोदय युवाओं को शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार, नेतृत्व क्षमता, नैतिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं संवैधानिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करते हैं। वे युवाओं से आत्मविश्वास, अनुशासन, सकारात्मक दृष्टिकोण तथा निरंतर सीखने की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करते हैं। साथ ही उन्हें समाज, राज्य और राष्ट्र के विकास में अपनी प्रतिभा का सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं।

इसी क्रम में विभिन्न राज्यों के युवाओं के मध्य संवाद, सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं राष्ट्रीय एकात्मता को प्रोत्साहित करने वाले "युवा संगम" जैसे कार्यक्रमों को भी विशेष महत्व दिया जाता है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को देश की विविध संस्कृतियों, भाषाओं, परंपराओं एवं सामाजिक जीवन को निकट से जानने-समझने का अवसर प्राप्त होता है, जिससे उनमें राष्ट्रीय चेतना, पारस्परिक सम्मान तथा भावनात्मक एकता की भावना और अधिक सुदृढ़ होती है।

माननीय राज्यपाल महोदय का मानना है कि सशक्त, जागरूक एवं संस्कारित युवा ही राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं।

उत्तराखण्ड के युवाओं से संवाद

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने उत्तराखण्ड से 'युवा संगम कार्यक्रम' के तहत झारखण्ड की यात्रा पर आए युवाओं के साथ लोक भवन में संवाद करते हुए कहा कि भारत पूरे विश्व में 'विविधता में एकता' का अद्वितीय और उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। राज्यपाल महोदय ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल को माननीय प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शिता बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के बीच सांस्कृतिक और शैक्षिक आदान-प्रदान के माध्यम से एकता और सद्भाव को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी संस्कृति, आर्थिक समृद्धि और नवाचारों को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया है।



‘राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा-2025’ के प्रतिभागियों से संवाद



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन में अंतर-राज्य छात्र जीवन दर्शन (Students' Experience in Inter-state Living - SEIL) के तहत राज्य आए 'राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा-2025' के प्रतिभागियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि हमारा देश "विविधता में एकता" का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। यह यात्रा युवाओं को देश के विभिन्न राज्यों की यात्रा कर वहां की संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक संरचना को समझने का अद्भुत अवसर प्रदान करेगी। राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि SEIL, वर्ष 1966 से राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ कर रहा है और यह संगठन सीमावर्ती एवं सुदूर क्षेत्रों के छात्रों को भारत के अन्य भागों के लोगों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम 2025-26 के अंतर्गत 'वतन को जानो' कार्यक्रम



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन, रांची में आयोजित कश्मीरी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम 2025-26 के अंतर्गत 'वतन को जानो' कार्यक्रम में जम्मू एवं कश्मीर के अनंतनाग, कुपवाड़ा, बारामुला, बड़गाम, श्रीनगर एवं पुलवामा जिलों से आये प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत विविधताओं का देश है, परंतु हमारी आत्मा एक है। भाषा, वेशभूषा एवं परंपराओं की भिन्नता के बावजूद राष्ट्रीय एकता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। ऐसे कार्यक्रम आपसी संवाद, विश्वास और समझ को प्रगाढ़ करते हैं तथा भावनात्मक एकता को सुदृढ़ बनाते हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के शब्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि कश्मीर भारत का किरीट है और उसकी सांस्कृतिक समृद्धि, प्राकृतिक भव्यता एवं आध्यात्मिक चेतना राष्ट्र की पहचान है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर अपनी अनुपम प्राकृतिक सुंदरता एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के कारण 'पृथ्वी का स्वर्ग' कहलाता है।



मध्य प्रदेश के विद्यार्थियों के साथ संवाद



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन, राँची में आईआईटी (आईएसएम), धनबाद द्वारा आयोजित 'युवा संगम' कार्यक्रम के अंतर्गत आईआईटी इंदौर के तत्वावधान में मध्य प्रदेश से आए विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता है और ऐसे कार्यक्रम युवाओं को देश की सांस्कृतिक समृद्धि को निकट से जानने और अनुभव करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि झारखण्ड प्राकृतिक संसाधनों, समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं तथा वीर स्वतंत्रता सेनानियों की गौरवशाली विरासत की भूमि है। उन्हें विश्वास व्यक्त किया कि झारखण्ड का अनुभव तथा यहाँ के लोगों का आत्मीय स्नेह विद्यार्थियों के लिए सदैव स्मरणीय रहेगा।



युवा महोत्सव



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा विकास संघ, झारखण्ड प्रदेश द्वारा चारी हुजीर स्कूल मैदान, कांके, राँची में आयोजित 'भव्य युवा महोत्सव' को संबोधित करते हुए स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को युवाओं के लिए प्रेरणा का अटूट स्रोत बताया और कहा कि उनका जीवन आत्म-विश्वास, अनुशासन एवं परिश्रम का प्रतीक है। राज्यपाल महोदय ने स्वामी विवेकानंद जी के उद्धरण "उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए" का उल्लेख करते हुए युवाओं को अपनी क्षमताओं को पहचानने और अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित होने की प्रेरणा दी। उन्होंने झारखण्ड के युवाओं की सराहना करते हुए कहा कि वे अपने साहस, परिश्रम और प्रतिभा के लिए जाने जाते हैं और विभिन्न क्षेत्रों में राज्य और देश का मान बढ़ा रहे हैं।

'विकसित भारत युवा संसद' के प्रतिभागियों को सम्मान

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय 'विकसित भारत युवा संसद' में झारखण्ड के प्रतिभागियों की उत्कृष्ट भागीदारी के लिए उन्हें लोक भवन में सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने रिया गुप्ता, श्वेता कुमारी और आयशा फातिमा सहित झारखण्ड के यूथ आइकन गौरव अग्रवाल को सम्मानित किया। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर कहा कि युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा को निखारने के अवसर मिलने चाहिए, जिससे उनका समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



लोक भवन में राष्ट्रीय युवा महोत्सव के प्रतिभागियों से संवाद

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने 10 से 12 जनवरी, 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित 'राष्ट्रीय युवा महोत्सव' में झारखण्ड का प्रतिनिधित्व कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों से लोक भवन में संवाद किया। उन्होंने प्रतिभागियों के उल्लेखनीय प्रदर्शन और राज्य का राष्ट्रीय स्तर पर गौरव बढ़ाने के लिए उन्हें हार्दिक बधाई दी। राज्यपाल महोदय ने युवाओं की प्रतियोगिता में भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि किसी विषय को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना और अन्य राज्यों की संस्कृति व सोच को समझना युवाओं के व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वे अपने कार्यों और उपलब्धियों से न केवल राज्य बल्कि देश का नाम भी रोशन करें। राज्यपाल महोदय से संवाद के क्रम में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किये।



28वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025 के प्रतिभागियों से संवाद



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन में दिनांक 10 जनवरी से 12 जनवरी, 2025 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित '28वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025' के झारखण्ड राज्य के प्रतिभागियों से संवाद किया। उन्होंने सभी चयनित प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि यह महोत्सव न केवल युवाओं के कौशल और प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर है, बल्कि भारत की विविध और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी उजागर करता है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि आप अपनी कला, ज्ञान और कौशल को प्रस्तुत कर अपने राज्य और देश का नाम रोशन करें। आप अपनी प्रतिभा से विशिष्ट पहचान स्थापित करें एवं विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ संवाद करते हुए युवाओं से स्टार्ट अप से संबंधित उनके विचार साझा किए।



राष्ट्रीय युवा उत्सव-2026 के चयनित प्रतिभागियों से संवाद

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन में भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 'राष्ट्रीय युवा उत्सव-2026' के लिए झारखण्ड से चयनित प्रतिभागियों से संवाद किया। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने सभी प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई देते हुए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं और कहा कि वहां से विजेता बन कर लौटने के पश्चात् लोक भवन में उनका पुनः स्वागत किया जाएगा। राज्यपाल महोदय ने कहा कि चयनित युवा केवल स्वयं का नहीं, बल्कि झारखण्ड राज्य की प्रतिभा, संस्कृति और आत्मविश्वास का प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैं। विभिन्न स्तरों की चयन प्रक्रिया से गुजरकर यहां तक पहुंचना अपने-आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ-साथ उनके मार्गदर्शकों एवं प्रशिक्षकों के योगदान की भी सराहना की।



लोक भवन में NCC एवं NSS का 'एट होम' कार्यक्रम

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन , रांची में आयोजित 'AT HOME' कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस स्वयंसेवकों को गणतंत्र दिवस शिविर-2025 में झारखण्ड राज्य का गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व करने हेतु बधाई देते हुए कहा कि एनसीसी और एनएसएस संगठनों की भूमिका राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ये संगठन युवाओं को सामाजिक सेवा, राष्ट्र भक्ति और अनुशासन की दिशा में प्रेरित करते हैं। रक्त दान, साक्षरता अभियान, वृक्षारोपण, स्वच्छ भारत मिशन, पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन जैसे कार्यों में इनकी सक्रिय भागीदारी सराहनीय रही है।



लोक भवन में NCC कैडेट्स एवं वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथॉन के प्रतिभागी सम्मानित



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन, राँची में आयोजित विशेष 'AT HOME' कार्यक्रम में 'गणतंत्र दिवस शिविर-2026' में झारखण्ड का प्रतिनिधित्व करने वाले एनसीसी कैडेट्स तथा 'वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथोन' के एनसीसी प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस शिविर में राज्य का प्रतिनिधित्व करना अत्यंत गौरव एवं सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित 'वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथोन' युवाओं में राष्ट्रभक्ति, फिटनेस एवं सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने वाला प्रेरणादायी आयोजन रहा।



“
राज्य के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों
का भ्रमण
”



माननीय राज्यपाल महोदय ने झारखण्ड राज्य के सभी जिलों के विभिन्न सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों का व्यापक भ्रमण कर आमजनों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने का उल्लेखनीय कार्य किया है। उनके इन प्रवासों का उद्देश्य केवल औपचारिक निरीक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राज्य के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की पहुँच सुनिश्चित करना रहा है। अपने भ्रमण के दौरान माननीय राज्यपाल महोदय ने ग्रामीणों को केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं एवं नीतियों की जानकारी प्रदान की तथा पात्र लोगों को इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं सामाजिक कल्याण से जुड़ी व्यवस्थाओं की जमीनी स्थिति का अवलोकन करने हेतु विद्यालयों, आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं स्वास्थ्य संस्थानों का भी अवलोकन किया।

माननीय राज्यपाल महोदय उन दुर्गम एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक भी पहुँचे, जहाँ सामान्यतः जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति सीमित रहती है। उन्होंने स्थानीय नागरिकों की समस्याओं, अपेक्षाओं एवं आवश्यकताओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया।

माननीय राज्यपाल महोदय ने 'लोक भवन, झारखण्ड' को "आमजनों के हितों के संरक्षक" के रूप में नई पहचान प्रदान की है। उन्होंने लोक भवन को केवल एक संवैधानिक संस्थान तक सीमित न रखकर जनसरोकारों से सीधे जुड़ा संवाद एवं समाधान का केंद्र बनाने का कार्य किया है। आज राज्य के विभिन्न जिलों से लोग अपनी समस्याओं एवं अपेक्षाओं को लेकर विश्वास और आशा के साथ लोक भवन पहुँचते हैं। उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना जाता है तथा आवश्यकतानुसार त्वरित एवं उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। जनसरोकार, संवेदनशील कार्यशैली एवं आम नागरिकों से आत्मीय जुड़ाव के कारण माननीय राज्यपाल महोदय ने झारखण्ड में एक "पीपुल्स गवर्नर" के रूप में विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

लोहरदगा

डाइट चीरी में ग्रामीणों से संवाद एवं परिसंपत्तियों का वितरण



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) चीरी, लोहरदगा में ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि देश के विकास के लिए ग्रामीण क्षेत्रों का विकास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एक समय था कि केंद्र से लोगों के विकास हेतु भेजी गयी राशि का लाभ लाभुकों तक पूरा नहीं पहुंचता था। वर्तमान में माननीय प्रधानमंत्री जी लाभुकों के मध्य विभिन्न योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचा रहे हैं। राज्यपाल महोदय ने उक्त अवसर पर नवजात शिशु आशिया परवीन का अन्नप्राशन कराया। राज्यपाल महोदय द्वारा उक्त अवसर पर विभिन्न योजना अन्तर्गत लाभुकों के मध्य पावर स्प्रेयर व व्हील चेयर वितरण किया गया तथा मनरेगा स्वीकृति प्रमाण पत्र, उद्योग विभाग द्वारा सहायतार्थ राशि प्रदान की गयी।



पी.भी.टी.जी. हेल्पलाईन का शुभारंभ तथा गुमला साइंस सेंटर का अवलोकन



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने परिसदन, गुमला में पीएम जनमन (प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान) जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर खाना किया। साथ ही, मिशन सर्वोदय के तहत पी.भी.टी.जी. हेल्पलाईन का शुभारंभ किया। माननीय राज्यपाल ने इसके उपरांत गुमला साइंस सेंटर, गुमला का अवलोकन किया। उन्होंने साइंस सेंटर में जिले से पिछले और इस वर्ष शैक्षणिक भ्रमण के लिए इसरो गई छात्राओं से मुलाकात की। उन्होंने छात्राओं से उनके अनुभवों के बारे में पूछा। राज्यपाल महोदय ने छात्राओं से अच्छी शिक्षा प्राप्त करने और मन लगाकर पढ़ने की सलाह देते हुए कहा कि शिक्षा ही बेहतर भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।



गुमला जिला के बाजार समिति परिसर करौंदी में संचालित रागी प्रसंस्करण इकाई का भ्रमण किया तथा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद कर रागी से बनाये जाने वाले उत्पादों के बारे में जानकारी ली।



पंचायत भवन, कोलेबिरा में ग्रामीणों से संवाद



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने सिमडेगा जिले के कोलेबिरा स्थित पंचायत भवन में ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि पेरिस पैरालंपिक खेलों में हमारे देश के दिव्यांग खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक अर्जित किया। राज्यपाल महोदय ने युवाओं को खेलों में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेल आज की पीढ़ी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिलाओं के स्वयंसेवी सहायता समूहों की सराहना करते हुए उन्होंने "लखपति दीदी" योजना की प्रगति के बारे में जानकारी ली और पूछा कि यहां कितने लोग इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया।

माननीय राज्यपाल ने कटहल प्रोसेसिंग यूनिट का अवलोकन किया



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने खूंटी जिले के कदमा स्थित कटहल प्रोसेसिंग यूनिट का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने यूनिट में कार्यरत दीदियों से संवाद कर उनकी आर्थिक स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने वहाँ निर्मित विभिन्न उत्पादों को देखा तथा उनका उत्साहवर्धन किया। राज्यपाल महोदय ने दीदियों से संवाद के दौरान जानना चाहा कि इस प्रोसेसिंग यूनिट से जुड़ने के बाद उनकी आर्थिक स्थिति में किस प्रकार का सुधार हुआ है। राज्यपाल महोदय ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाएं आमजन के उत्थान व कल्याणार्थ संचालित हैं। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य यह है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को इन योजनाओं का पूर्ण लाभ मिले। उन्होंने कहा कि एक समय था जब केंद्र से भेजी गई राशि लोगों तक सही रूप में नहीं पहुंच पाती थी, लेकिन अब व्यवस्था में सुधार हुआ है। आज प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शिता से योजनाओं का लाभ सीधे लोगों के बैंक खातों में पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों की आजीविका एवं उनके जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में सरकार द्वारा प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित लोगों से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, अबुआ आवास योजना और पेयजल योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत लाभुकों के मध्य परिसंपत्तियों का वितरण भी किया।

पंचायत सचिवालय, कुजू पूर्वी में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण तथा ग्रामीणों से संवाद



माननीय राज्यपाल ने रामगढ़ जिलान्तर्गत पंचायत सचिवालय, कुजू पूर्वी, प्रखंड-माण्डू में ग्रामीणों के साथ संवाद किया। उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय द्वारा विभिन्न योजनान्तर्गत लाभुकों के मध्य परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। उन्होंने लोगों से शिक्षा की स्थिति के संदर्भ में पृच्छा करते हुए उन्हें अपने बच्चों को शिक्षित करने हेतु प्रेरित किया। राज्यपाल महोदय ने पंचायत सचिवालय, कुजू पूर्वी में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया। राज्यपाल ने कहा कि सरकार द्वारा लोगों के विकास हेतु विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं। हमारा प्रयास है कि लोगों को इन योजनाओं का लाभ प्राप्त हो और राज्य प्रगति करे। राज्यपाल महोदय ने स्थानीय लोगों से वहां व्याप्त शिक्षा सुविधा के संदर्भ में जानकारी प्राप्त करते हुए उन्हें अपने बच्चों को शिक्षित करने हेतु प्रेरित किया। हर घर को नल से स्वच्छ जल मिले, इस दिशा में केंद्र सरकार द्वारा कार्य किया जा रहा है।

चुरचू में बुनकर सहयोग समिति के सदस्यों से संवाद



माननीय राज्यपाल ने मारसल प्राथमिक बुनकर सहयोग समिति लि. उत्पादक केन्द्र, पंचायत-बहेरा, प्रखण्ड-चुरचू, हजारीबाग का अवलोकन किया और बुनकर सहयोग समिति के सदस्यों के साथ संवाद किया। राज्यपाल महोदय ने बुनकर सहयोग समिति के सदस्यों की सराहना की। राज्यपाल महोदय ने कहा कि बुनकर सहयोग समिति के कार्य हमारी बहनों के हित में ध्यान में रखते हुए हों। उन्होंने कहा कि हमारी बहनों की आय में वृद्धि हो, ऐसा प्रयास हो।



राज्यपाल महोदय ने हजारीबाग जिला के चुरचू, प्रखण्ड स्थित मॉडल आंगनबाड़ी नर्सरी स्कूल केंद्र का अवलोकन किया।

माननीय राज्यपाल ने किया आम के बगीचे का अवलोकन



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने ओरदाना, प्रखंड- पेटरवार, जिला-बोकारो में मनरेगा योजना अन्तर्गत बिरसा मुण्डा हरित बागवानी के तहत 56 एकड़ में लगे आम के बगीचे का अवलोकन किया। राज्यपाल महोदय ने लोगों से संवाद करते हुए कहा कि यहाँ आकर अच्छा लगा। यहाँ वृहत स्तर पर विभिन्न प्रजाति के लगे आम के पेड़ को देखकर प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा "एक पेड़ माँ के नाम" का संदेश दिया गया है। सभी लोग अधिक-से-अधिक पेड़ लगाएं और उनकी देखरेख करें जिससे सरोवर को और सुंदर बनाया जा सकता है। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा आपके विकास हेतु विभिन्न योजनाएं संचालित हैं, आप लोग इन योजनाओं के प्रति जागरूक हों और लाभ उठाएँ। उक्त अवसर पर मनरेगा मेट ने राज्यपाल महोदय से अपने अनुभव साझा किये। साथ ही मनरेगा मेट द्वारा बकरी, बत्तख एवं मुर्गी के लिए शेड की जरूरत की बात कही गयी।

गिरिडीह

मधुबन के ग्रामीणों से संवाद

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार का गिरिडीह जिले के मधुबन मोड़, चिरकी में मारवाड़ी संघ द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। राज्यपाल महोदय ने सभी का आभार प्रकट किया तथा कहा कि वे राज्य के विकास हेतु प्रतिबद्ध हैं।



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने गिरिडीह जिले के डुमरी प्रखंड स्थित ओहदार टोला-1 के मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनबाड़ी सहायिका और सहिया से संवाद कर बच्चों को प्रदान किए जाने वाले पोषण और प्रारंभिक शिक्षा के संबंध में जानकारी ली। राज्यपाल महोदय ने बच्चों से भी बातचीत की और एक बच्चे का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर का दौरा



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने गिरिडीह जिले के डुमरी प्रखंड स्थित पोरदाग के आयुष्मान आरोग्य मंदिर का दौरा किया और वहां की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रतीक्षा कक्ष, ओपीडी, महिला वार्ड, प्रसव कक्ष और टीकाकरण कक्ष में दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने CHO, ANM और अन्य उपस्थित कर्मचारियों से संवाद भी किया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी देश के सभी नागरिकों के स्वास्थ्य के प्रति सचेष्ट हैं और उनके इलाज हेतु निरंतर प्रयासरत हैं। इसी उद्देश्य से आयुष्मान भारत योजना शुरू की गई, जिसके तहत प्रत्येक नागरिक को 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों को यह भी कहा कि उनका दायित्व है कि वे यहां आने वाले मरीजों का पूरे समर्पण से इलाज करें।

पूर्वी सिंहभूम

हुरलुंग पंचायत भवन में ग्रामीणों से संवाद



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने पूर्वी सिंहभूम जिलान्तर्गत हुरलुंग पंचायत भवन में ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि मैं आप सभी से यह जानने आया हूँ कि आपको विभिन्न योजनाओं का लाभ सही से मिल रहा है अथवा नहीं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि वे चाहते हैं कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का आप सबको पूर्णतः लाभ मिले। सभी पात्र लोगों को आवास योजना का लाभ मिले, सबके घर में शौचालय सुविधा हो। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा जनमानस हेतु विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं, योजना के लाभ की राशि सीधे लाभुकों के खाते में जाती है।



बड़ा गुन्टिया पंचायत, प्रखंड- खूंटपानी में ग्रामीणों से संवाद

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने पश्चिमी सिंहभूम जिलान्तर्गत बड़ा गुन्टिया पंचायत, प्रखंड- खूंटपानी में लोगों से संवाद करते हुए कहा कि लोगों के विकास हेतु विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाएँ पूरे देश में संचालित हैं। सरकार चाहती है कि देश का हर नागरिक प्रगति करे। वे अच्छा जीवनयापन करें। इसलिए आवश्यक है कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति को सुलभ हो। उन्होंने संवाद के क्रम में लोगों से स्वच्छ पेयजल, एलपीजी गैस कनेक्शन की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने लोगों से आवास योजना की उपलब्धता के संदर्भ में चर्चा करते हुए निर्मित आवास की गुणवत्ता के संदर्भ में भी पृच्छा की।



सरायकेला-खरसावां

‘प्रकल्प भवन’ का उद्घाटन व ‘साधना दिवस’ कार्यक्रम

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार चांडिल, सरायकेला-खरसावां में नवनिर्मित विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी सेवा एवं प्रशिक्षण ‘प्रकल्प भवन’ के उद्घाटन समारोह तथा ‘साधना दिवस’ कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने कहा कि ‘प्रकल्प भवन’ का उद्घाटन चांडिल ही नहीं, बल्कि पूरे झारखण्ड-बिहार क्षेत्र में सेवा, संस्कार और समाज-निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह भवन मात्र एक संरचना नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र धर्म की भावना पर आधारित एक जीवंत केंद्र है, जहां से समाज परिवर्तन की नई धारा प्रवाहित होगी।



रुगड़ी पंचायत, प्रखण्ड-ईचागढ़ में ग्रामीणों से संवाद



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने सरायकेला-खरसावां जिलान्तर्गत रुगड़ी पंचायत, प्रखण्ड-ईचागढ़ में ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा जनमानस के कल्याणार्थ विभिन्न योजनाएं संचालित हैं। आप सभी के बीच इस आशय के साथ पहुंचा हूँ कि यह जान सकूँ कि आपको इन सभी योजनाओं का लाभ मिल रहा है अथवा नहीं? इन योजनाओं के प्रति आपकी राय एवं सुझाव जानने आया हूँ। माननीय प्रधानमंत्री जी चाहते हैं कि आप सभी को योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ मिले, विभिन्न योजनाओं के लाभ प्राप्त करने में कोई समस्या हो तो उसे बताएँ, ताकि सरकार व प्रशासन को इससे अवगत कराया जा सके और आपकी समस्याओं का निदान हो सके।

ग्रामीणों से संवाद

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने साहेबगंज जिलान्तर्गत शिबु सोरेन कॉलेज, बिचपुरा के ऑडिटोरियम में ग्रामीणों के साथ संवाद करते हुए कहा कि हाल ही में उन्होंने इस राज्य में नई जिम्मेदारी संभाली है। राज्य के विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों को समझने और वहाँ के लोगों से संवाद करना आवश्यक है। इस संवाद से यह ज्ञात होता है कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का कार्यान्वयन किस प्रकार हो रहा है। इसके साथ ही, संवाद के माध्यम से लोगों की समस्याओं और सुझावों को भी जानने का अवसर मिलता है।



हूल क्रांति के अमर नायकों को दी श्रद्धांजलि तथा वंशजों से की भेंट



माननीय राज्यपाल ने साहेबगंज जिला के बरहेट स्थित पंचकठिया में वीर शहीद सिदो कान्हू की स्मृति में निर्मित क्रांति स्थल पर जाकर हूल क्रांति के अमर महानायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में उनके अद्वितीय योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि सिदो-कान्हू की वीरता और साहस हमारे देश के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा।

चितकाठ पंचायत भवन में जनसमूह से संवाद

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने देवघर जिला के मोहनपुर प्रखंड में नया चितकाठ पंचायत भवन प्रांगण में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि यह भूमि तपोभूमि है और उन्हें यहां शांति की अनुभूति हो रही है। निश्चित रूप से यह प्रदेश देश में ही नहीं वरन विदेश में भी अपनी पहचान बनाएगा, लेकिन यह तभी संभव है जब सभी लोग प्रगति करें और सरकार की योजनाओं का लाभ सभी को मिले। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता के प्रति जवाबदेह होना चाहिए।



परिसंपत्ति वितरण-सह-संवाद कार्यक्रम

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने पंचायत सचिवालय आसनसोल, दुमका में आयोजित परिसंपत्ति वितरण-सह-संवाद कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वे लम्बे समय तक लोकसभा में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे थे। वे राज्य के विकास हेतु अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं। राज्यपाल महोदय ने उपस्थित जनसमूह से कहा कि हम सभी की जिम्मेदारी है कि सभी की समस्याओं को समझें और उनका हल करें। उन्होंने कहा कि यहां महिलाओं की उपस्थिति सराहनीय है। आप सभी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें, विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाएं और अपनी समस्याओं को उचित तरीके से रखने का कार्य करें। जन-प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को अपनी समस्याओं से अवगत कराएं। उन्होंने सभी से अपने बच्चों को शिक्षित करने का आग्रह किया। राज्यपाल महोदय द्वारा विभिन्न योजनान्तर्गत लाभुकों के मध्य परिसंपत्तियों का वितरण किया गया।

इसके पश्चात् राज्यपाल महोदय ने दुमका जिलान्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र सह प्री नर्सरी स्कूल केन्द्र आसनसोल (डांगलपाड़ा) का अवलोकन किया तथा बच्चों से मिले।





उत्क्रमित मध्य विद्यालय मोहनपुर, अंचल-नारायणपुर में स्थानीय लोगों से संवाद

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने राज्य की उप राजधानी दुमका में ध्वजारोहण के उपरांत सड़क मार्ग से राँची आने के क्रम में जामताड़ा जिलान्तर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय मोहनपुर, अंचल- नारायणपुर में लोगों से कहा कि मैं आप सभी की समस्याओं को जानने व संवाद स्थापित करने आया हूँ, ताकि समस्याओं का हल किया जा सके। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के रूप में मैं अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु प्रतिबद्ध हूँ। उक्त अवसर पर ग्रामीणों द्वारा एक उच्च विद्यालय, डिग्री महाविद्यालय, नर्सिंग महाविद्यालय की स्थापना के साथ एक अतिरिक्त आंगनबाड़ी केंद्र की स्थापना हेतु आग्रह किया गया। राज्यपाल महोदय के समक्ष उत्क्रमित विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं ने अपनी परेशानी बताई। राज्यपाल महोदय ने इसे गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त, जामताड़ा को समस्या के निदान हेतु कहा। राज्यपाल महोदय ने उक्त अवसर पर विभिन्न योजनान्तर्गत लाभुकों के मध्य परिसंपत्ति का वितरण किया।



पोड़ैयाहाट प्रखंड के डांडे पंचायत भवन में ग्रामीणों के साथ संवाद

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने गोड्डा जिले के पोड़ैयाहाट प्रखंड के डांडे पंचायत भवन में ग्रामीणों के साथ संवाद करते हुए कहा कि वे ग्रामीणों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को जानना चाहते हैं, ताकि उन समस्याओं का निराकरण किया जा सके। साथ ही यह भी जानना चाहते हैं कि सरकार की योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को किस हद तक मिला है एवं उसमें सुधार की क्या संभावनाएं हैं। उन्होंने ग्रामीणों से जल जीवन मिशन के तहत शुद्ध पेयजल उपलब्धता की दिशा में हो रही कार्रवाई के संबंध में जानकारी प्राप्त की। ग्रामीणों ने अस्पताल में प्राप्त सुविधाएं एवं चिकित्सकों की कमी के संबंध में बताया। ग्रामीणों द्वारा विद्यालयों में शिक्षकों की कमी से पढ़ाई में उत्पन्न हो रही बाधाओं से भी राज्यपाल महोदय को अवगत कराया। उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय द्वारा सर्वजन पेंशन योजना, फूलो झानो आशीर्वाद योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना एवं मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत परिसंपत्तियों का वितरण भी किया गया।





सोनाधनी पंचायत में ग्रामीणों से संवाद

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने पाकुड़ जिला के लिट्टीपाड़ा प्रखण्ड स्थित सोनाधनी पंचायत में ग्रामीणों के साथ संवाद करते हुए कहा कि वे यहाँ पर सरकार की योजनाओं के कार्यान्वयन पर लोगों की प्रतिक्रिया और सुझाव प्राप्त करने आए हैं। उन्होंने बताया कि पहले योजनाओं के लिए आवंटित धन का केवल एक छोटा हिस्सा ही जनता तक पहुँचता था, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी इस बात पर विशेष ध्यान देते हैं कि योजनाओं का 100% लाभ लोगों तक पहुँचे। राज्यपाल महोदय ने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत निःशुल्क गैस कनेक्शन दिया गया है और हर घर नल योजना के माध्यम से सभी को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए सरकार सतत प्रयासरत है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लाभुकों को गुणवत्तापूर्ण आवास दिए जा रहे हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध है। राज्यपाल महोदय ने ग्रामीणों की समस्याओं को भी सुना।



लातेहार

माननीय राज्यपाल का नेतरहाट प्रवास



माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने नेतरहाट प्रवास के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का अवलोकन किया। उन्होंने चिकित्सा सुविधाओं, उपलब्ध दवाओं तथा स्थानीय निवासियों को दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की भी जानकारी ली। राज्यपाल महोदय ने नेतरहाट क्षेत्र में लगभग 100 एकड़ में फैले नाशपाती बागान का भी भ्रमण किया। उन्हें जानकारी दी गयी कि यहां 'नट' किस्म के नाशपाती भी हैं, जो अपने स्वाद एवं गुणवत्ता के लिए जाने जाते हैं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह क्षेत्र पर्यटकों के लिए विशेष आर्कषण का केन्द्र है।



माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी की गरिमामयी उपस्थिति में माननीय राज्यपाल महोदय उत्तर प्रदेश के बरेली स्थित ICAR-भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (IVRI) में आयोजित दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हुए।



माननीय राज्यपाल महोदय को उत्तर प्रदेश की माननीया राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली के 23वें दीक्षांत समारोह में पूर्ववर्ती छात्र के रूप में 'लाईफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया।



“
दीक्षांत समारोह में सक्रिय सहभागिता
”





माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति महोदय द्वारा पदभार ग्रहण करने के साथ ही राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था में सुधार एवं शैक्षणिक गुणवत्ता के उन्नयन हेतु सतत एवं गंभीर प्रयास प्रारंभ किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शैक्षणिक अनुशासन तथा छात्र हित को उन्होंने सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की है। उनके मार्गदर्शन में राज्य के विश्वविद्यालयों में सर्च कमिटी के माध्यम से कुलपतियों की नियुक्ति की प्रक्रिया को पारदर्शी रूप से संपन्न किया गया।

विभिन्न दीक्षांत समारोहों, कुलपतियों के सम्मेलनों तथा विश्वविद्यालयों की समीक्षा बैठकों में उन्होंने निरंतर इस बात पर बल दिया है कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने के केंद्र न बनें, बल्कि ज्ञान, चरित्र, कौशल, नवाचार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्माण के सशक्त संस्थान के रूप में विकसित हों। उन्होंने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों को समय पर दीक्षांत समारोह आयोजित करने तथा शैक्षणिक कैलेंडर का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट एवं सख्त निर्देश दिए।

माननीय राज्यपाल महोदय नियमित कक्षाओं के संचालन, समय पर परीक्षाओं एवं परिणामों के प्रकाशन, शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहन देने तथा शिक्षकों की शैक्षणिक जवाबदेही सुनिश्चित करने पर विशेष जोर देते रहे हैं। उनका स्पष्ट मत है कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, व्यावहारिक एवं रोजगारोन्मुख शिक्षा उपलब्ध कराना विश्वविद्यालयों की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। वे विश्वविद्यालय परिसरों में अनुशासन, स्वच्छता, पुस्तकालयों के सुदृढीकरण, प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण तथा विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास हेतु खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं नवाचार आधारित कार्यक्रमों को भी अत्यंत आवश्यक मानते हैं।

माननीय राज्यपाल महोदय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, कौशल विकास, रोजगारपरक शिक्षा तथा उद्योगों एवं शिक्षण संस्थानों के मध्य बेहतर समन्वय को समय की आवश्यकता बताते रहे हैं। उनका मानना है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिकता, संवेदनशीलता, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करना भी है।

माननीय राज्यपाल महोदय का सतत प्रयास रहा है कि झारखण्ड के विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करें तथा राज्य के युवा ज्ञान, नवाचार, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से “विकसित भारत@2047” के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ।



रांची विश्वविद्यालय, रांची का 38वां दीक्षांत समारोह

माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने रांची विश्वविद्यालय, रांची के 38वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए विद्यार्थियों से कहा कि पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि विकास जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान की अपार संभावनाएं हैं। रांची विश्वविद्यालय इन क्षेत्रों में नई ऊंचाइयां प्राप्त करे तथा अन्य विश्वविद्यालयों के लिए अनुकरणीय बने। उन्होंने कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, समाजशास्त्र और मानविकी में गहन शोध के साथ स्थानीय संसाधनों और समस्याओं पर अनुसंधान हमारी प्राथमिकता है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 'न्यू इंडिया' के संकल्प ने शिक्षा, नवाचार और आत्मनिर्भरता को एक नई दिशा दी है।



रांची विश्वविद्यालय, रांची का प्रथम खेलकूद एवं सांस्कृतिक दीक्षांत समारोह



माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने रांची विश्वविद्यालय, रांची के प्रथम खेलकूद एवं सांस्कृतिक दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि खेलकूद और सांस्कृतिक महोत्सव जैसी गतिविधियां जीवन का अभिन्न अंग हैं। ये विद्यार्थियों में अनुशासन, आपसी सहयोग, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करने का कार्य करते हैं। इस प्रकार के आयोजन इन मूल्यों को प्रोत्साहित करने का एक सशक्त मंच है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि हर्ष है कि रांची विश्वविद्यालय के विद्यार्थी न केवल शिक्षा में, बल्कि खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे हैं।



डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची का द्वितीय दीक्षांत समारोह

माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची द्वारा आयोजित द्वितीय दीक्षांत समारोह के अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि संस्कारयुक्त शिक्षा ही वास्तविक विकास का आधार है, क्योंकि यह व्यक्ति को केवल बौद्धिक रूप से सशक्त नहीं बनाती, बल्कि उसे समाज के प्रति जिम्मेदार और संवेदनशील भी बनाती है। हमें अपनी जड़ों से जुड़ कर अपनी संस्कृति का संरक्षण करना चाहिए, क्योंकि यह हमें आत्मनिर्भरता, समता और मानवता का पाठ सिखाती है। इसलिए शिक्षा के माध्यम से हमें अपनी संस्कृति को सम्मान देना और उसे संरक्षित करना चाहिए। शिक्षा का परम लक्ष्य केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका वास्तविक उद्देश्य चरित्र निर्माण है।



विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग का 10वां दीक्षांत समारोह



माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के 10वें दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों और शोधार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल उपाधि प्रदान करने का औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह विद्यार्थियों के परिश्रम, अनुशासन, धैर्य और निरंतर साधना का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से 'विकसित भारत @2047' तथा 'आत्मनिर्भर एवं सशक्त भारत' के निर्माण में ईमानदारी, परिश्रम और नैतिकता के साथ योगदान देने का आह्वान किया।



सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका का 8वाँ दीक्षांत समारोह



सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के 8 वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति महोदय ने कहा कि जनजातीय क्षेत्र में स्थापित सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय से बहुत अपेक्षाएं हैं। यह केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि हमारे जनजातीय समाज की संस्कृति, इतिहास और परंपराओं का प्रतीक है। शिक्षा ही से ही विकास और सशक्तिकरण संभव है। इस विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान प्रदान करना ही नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के उत्थान, उनकी समस्याओं के समाधान और उनके सांस्कृतिक गौरव को संरक्षित रखने में योगदान देना भी है।



सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका का 9वाँ दीक्षांत समारोह



माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने कन्वेंशन सेंटर, एगो पार्क, एस.पी. कॉलेज रोड, दुमका में सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के 9वें दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर उपाधि प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं तथा शोधार्थियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कार्यक्रम में महान स्वतंत्रता सेनानी सिदो और कान्हू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि संथाल विद्रोह 'हूल क्रांति' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का स्वर्णिम अध्याय है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को इन वीरों से सतत प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प तभी पूर्ण होगा जब हमारे विश्वविद्यालय नवाचार, अनुसंधान, कौशल विकास और प्रभावी शैक्षणिक पद्धतियों को प्राथमिकता देंगे।

नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह

माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने पलामू स्थित नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों और शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपाधि केवल एक प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि आपके सपनों, संघर्ष और जिम्मेदारियों का प्रतीक है। आप सभी को केवल अपने कैरियर तक सीमित न रहकर समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए संकल्पित होना है। राज्यपाल महोदय ने विश्वविद्यालयों को नियमित कक्षाएँ संचालित करने, समय पर परीक्षा आयोजित करने पर और विद्यार्थियों को बिना विलंब डिग्री प्रदान करने की बात कही। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह का विलंब केवल विद्यार्थियों ही नहीं, बल्कि उनके परिवारों और पूरे समाज को प्रभावित करता है। विश्वविद्यालयों को हर हाल में अकादमिक कैलेंडर का पालन करना होगा।



कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा का छठा दीक्षांत समारोह



माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा में आयोजित दीक्षांत समारोह में भारत के संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन कराया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पदाधिकारीगण, प्राध्यापक, उपाधिधारक विद्यार्थी/शोधार्थी, अतिथि एवं जिला प्रशासन के अधिकारी/कर्मि उपस्थित थे। राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर कहा कि हमारा संविधान न केवल विश्व का सबसे विशाल लोकतंत्र है, बल्कि राष्ट्र की प्रगति, सामाजिक न्याय और जनकल्याण का प्रमुख मार्गदर्शक भी है। इसके आदर्शों को अपनाकर ही हम एक सशक्त, समतामूलक और समृद्ध भारत का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे संविधान प्रदत्त मूल्यों न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व को अपने जीवन व आचरण में आत्मसात करें तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ।